वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 186 | बुधवार 30 अक्टूबर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

रूप चतुर्दशी
की हार्दिक शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री ने 'रन फॉर यूनिटी' मैराथन को दिखाई हरी झण्डी

सरदार वल्लभ भाई पटेल दृढ़ संकल्प और साहस के प्रतीक। सशक्त भारत में लौह पुरूष का अतुलनीय योगदानः मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने भारतीय रियासतों का एकीकरण कर एक सशक्त भारत का निर्माण किया। उनकी जयंती पर आयोजित रन फॉर यूनिटी मैराथन हमें विविधता में एकता के महत्व का संदेश देते हुए उनके अतुलनीय साहस और संकल्प का स्मरण कराती है। शर्मा ने मंगलवार को अमर जवान ज्योति पर ''रन फॉर यूनिटी -एक भारत, श्रेष्ठ भारत'' मैराथन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया और उपस्थित जन समूह से राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ का वाचन कराया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आजादी के बाद जिस तरह सरदार पटेल ने अपनी दृढ़ शक्ति के बल पर देश को एकता के सूत्र में पिरोया, उससे नई पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए और राष्ट्रीय एकता के लिए समर्पित होकर कार्य करना चाहिए। शर्मा ने कहा कि सरदार पटेल के विराट व्यक्तित्व को दर्शाने के लिए प्रधानमंत्री ने गुजरात में विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टेच्यू ऑफ यूनिटी का निर्माण कराया है। इस मूर्ति के निर्माण के लिए राजस्थान सहित पूरे देश के लोगों ने लोहा देकर अपना योगदान दिया। यह एक मूर्ति नहीं है, बल्कि भारत की एकता और अखंडता का प्रतीक है। जम्मू कश्मीर से हटाई धारा 370, दिया एकता का अहम संदेशः मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल ने जिस संकल्प के साथ देश को एकजुट किया उसी पथ पर चलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 समाप्त कर ''एक देश, एक विधान और एक निशान'' के संकल्प को और मजबूत करने का काम किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की पहल पर सरदार पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में प्रतिवर्ष 31 अक्टूबर को पूरे जज्बे और जोश के साथ सम्पूर्ण भारत वर्ष में मनायी जाती है। इस वर्ष 31 अक्टूबर को दीपावली पर्व होने के कारण प्रधानमंत्री ने देशवासियों को इसे 29 अक्टूबर को आयोजित करने का आग्रह किया था। खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस पर आयोजित 'रन फॉर यूनिटी' फिट इंडिया का संदेश देती है। इस अवसर पर जयपुर लोकसभा सांसद मंजू शर्मा, सिविल लाइन्स विधायक गोपाल शर्मा, पुलिस महानिदेशक यूआर साहू, खेल विभाग के शासन सचिव नीरज के पवन सहित भारी संख्या में पुलिस के जवान, एनसीसी कैडेट, स्काउट गाइड सहित सभी आयुवर्ग के धावक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री शर्मा का पैतृक गांव अटारी में हुआ भव्य स्वागत

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंगलवार को अपने पैतृक गांव अटारी पहुंचे। उन्होंने लोक देवता घोड़े वाले बाबा तथा चामुंडा माता मंदिर में विधि-विधान से पूजा अर्चना कर देश-प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री ने अटारी गांव में बड़े-बुजुर्गों से मिलकर आशीर्वाद लिया तथा हाल-चाल पूछ कर घर परिवार एवं खेती-बाड़ी की जानकारी ली। उन्होंने संपूर्ण गांव में पैदल परिक्रमा कर घर-घर जाकर लोगों से दीपावली की रामा-श्यामा की तथा बड़े बुजुर्गों के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री गांव में अपने पैतृक घर पहुंचे जहां अपनी मां के चरण छूकर आशीर्वाद लिया तथा कुशलक्षेम जानी। मुख्यमंत्री का घर-घर हुआ भव्य स्वागतः मुख्यमंत्री शर्मा का अटारी गांव में घर-घर पर भव्य स्वागत हुआ। ग्रामीणों से उन्होंने आत्मीयता से मिलकर हाल-चाल जाने तथा खुशहाली की कामना की।

भगवान धन्वंतरि-आयुर्वेद चिकित्सा के देवता

धन्वंतरि जयंती, जो दीपावली से दो दिन पहले आती है, विशेष रूप से स्वास्थ्य और आरोग्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण मानी जाती है। यह दिन आयुर्वेद के देवता भगवान धन्वंतरि की जयंती के रूप में मनाया जाता है, जो समुद्र मंथन के दौरान अमृत कलश के साथ प्रकट हुए थे। उन्हें स्वास्थ्य और आयुर्वेद चिकित्सा का जनक माना जाता है। इन्हें भगवान विष्णु का रूप कहते हैं जिनकी चार भुजायें हैं। उपर की दोंनों भुजाओं में शंख और चक्र धारण किये हुये हैं। जबकि दो अन्य भुजाओं मे से एक में जलूका और औषध तथा दूसरे मे अमृत कलश लिये हुये हैं। इनका प्रिय धातु पीतल माना जाता है। इसीलिये धनतेरस को पीतल आदि के बर्तन खरीदने की परम्परा भी है। इन्हे आयुर्वेद की चिकित्सा करनें वाले वैद्य आरोग्य का देवता कहते हैं। इन्होंने ही अमृतमय औषधियों की खोज की थी। इनके वंश में दिवोदास हुए जिन्होंने 'शल्य चिकित्सा' का विश्व का पहला विद्यालय काशी में स्थापित किया जिसके प्रधानाचार्य सुश्रुत बनाये गए थे। सुश्रुत दिवोदास के ही शिष्य और ऋषि विश्वामित्र के पुत्र थे। उन्होंने ही सुश्रुत संहिता लिखी थी। सुश्रुत विश्व के पहले सर्जन (शल्य चिकित्सक) थे। दीपावली के अवसर पर कार्तिक त्रयोदशी-धनतेरस को भगवान धन्वन्तरि की पूजा करते हैं। त्रिलोकी के व्योम रूपी समुद्र के मंथन से उत्पन्न विष का महारूद्र भगवान शंकर ने विषपान किया, धन्वन्तरि ने अमृत प्रदान किया और इस प्रकार काशी कालजयी नगरी बन गयी। धन्वंतरि जयंती का महत्व विशेष रूप से उन लोगों के लिए है जो आयुर्वेद चिकित्सा में विश्वास करते हैं और प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से स्वास्थ्य सुधार की ओर अग्रसर होते हैं। इस दिन लोग भगवान धन्वंतरि की पूजा करते हैं और अपने जीवन में स्वास्थ्य, दीर्घायु और सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। आयुर्वेद चिकित्सक और वैद्य इस दिन भगवान धन्वंतरि का स्मरण कर समाज को स्वस्थ रखने में उनके योगदान को नमन करते हैं। आजकल जब आधुनिक जीवनशैली और तनाव स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहे हैं, धन्वंतरि जयंती का महत्व और भी बढ़ जाता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि स्वस्थ रहने के लिए प्राकृतिक साधनों का उपयोग करना और आयुर्वेद का अनुसरण करना कितना आवश्यक है। आयुर्वेद का उद्देश्य न केवल रोगों का उपचार करना है, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली को अपनाना और जीवन को संपूर्ण रूप से संतुलित करना है। धन्वंतरि जयंती पर लोग स्वस्थ और संतुलित आहार का महत्व समझते हैं, शरीर को शुद्ध और विषमुक्त करने के उपायों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। इसके साथ ही, योग, ध्यान और प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति जागरूकता बढ़ती है, जो मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। अतः, धन्वंतरि जयंती का दिन हमें आयुर्वेद की प्राचीन परंपराओं को याद करने और एक स्वस्थ, संतुलित और प्राकृतिक जीवन जीने की प्रेरणा देता है। ॐ धन्वंतराये नमः॥ श्री धनवंतरी स्वरूप श्री श्री श्री औषधचक्र नारायणाय नमः॥ -**अनिल माथुर, जोधपुर**

हर घर दिवाली हर घर खुशियां

राँची. शाबाश इंडिया। इनर व्हील क्लब ऑफ राँची साउथ की सदस्यों ने बाँटी खुशियाँ। राँची से करीब 45 किलोमीटर दूर शासन बेरा ग्राम में 101 ग्रामीणों के बीच दिवाली के अवसर उपहार प्रदान किया। हर पैकेट में मिठाई, पटाखे, दिया, बाती, तेल, फल, टॉफी और एक बैग मौजूद था। ग्रामीण महिलाओं ने खुले मन से स्वागत किया और उपहार पा कर हर्ष व्यक्त किया। सदस्याओं ने उन्हें स्व रोजगार हेतु प्रेरित किया और एक महीने के बाद उन्हें खरीदने का आश्वासन भी दिया। इस अवसर पर अध्यक्ष नीलम, अन्नू, कांति, रमा, रीता, रागिनी, श्वेता, ज्योति इत्यादि कई मेंबर्स मौजूद थी। एक सार्थक दिवाली की खुशी सभी ने महसूस किया।

राहुल जैन शास्त्री श्रमण संस्कृति युवा विद्वत पुरस्कार से सम्मानित

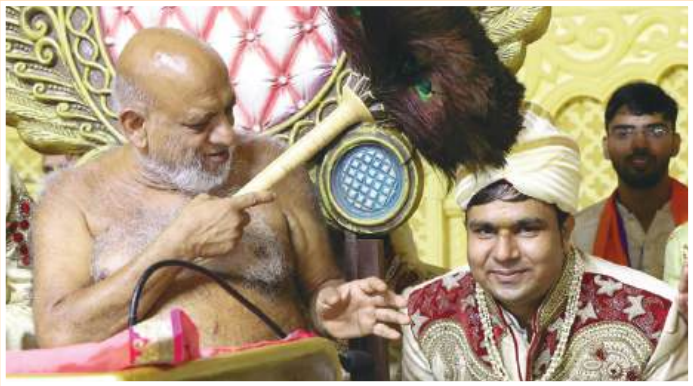

सागर. शाबाश इंडिया

श्री अष्ट पाहुड जी श्रमण संस्कृति युवा विद्वत संगोष्ठी एवं श्रमण संस्कृति स्नातक सम्मेलन में श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर में मुख्य अधीक्षक पद पर कार्यरत विद्वत राहुल जैन शास्त्री लाडनूं निवासी को जगत पूज्य मुनिपुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में श्रमण संस्कृति युवा विद्वत पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार सागर स्थित भाग्योदय तीर्थ में विशाल जन समूह के मध्य दिया गया। सम्मान में आपको इक्यावन हजार राशि के साथ शाल माला पहनाकर सम्मानित किया गया।यह पुरस्कार दान शिरोमणि नंदकिशोर प्रमोद पहाड़िया परिवार द्वारा प्रदान किया गया है।विद्वत श्री ने निरंतर जैन धर्म की प्रभावना में अपना अमूल्य योगदान, तथा सांगानेर स्थित श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर में ग्यारह वर्षों से निरंतर निस्वार्थ सेवाओं से अपना व समाज का नाम रोशन किया है आप को पूज्य श्री का आशीर्वाद निरंतर मिलता है ।इस अवसर पर राजेन्द्र जैन, मीना जैन, धर्मपत्नी नित्या जैन को परिवार सहित सम्मानित किया गया। यह हम सब देश व समाज व परिवार के लिए गौरव का विषय है।

सन्मति जैन पाठशाला में भगवान महावीर निर्वाणोत्सव के अवसर पर आयोजित हुए विभिन्न कार्यक्रम

1 नवंबर शुक्रवार को मनाएंगे भगवान महावीर का 2551वाँ निर्वाणोत्सव

सीकर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर का 2551वां निवाणोत्सव एक नवंबर को श्रद्धापूर्वक मनाया जाएगा । शहर के समस्त जैन मंदिरों में इस अवसर पर विशेष धार्मिक आयोजन होंगे। सुबह भगवान महावीर निर्वाण लाडू चढ़ाया जाएगा।समाज के विवेक पाटोदी ने बताया कि भगवान महावीर निवाणोत्सव की बेला में सन्मति जैन पाठशाला में रविवार को विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। पाठशाला के बच्चों द्वारा धार्मिक नृत्य प्रस्तुत किए गए। बच्चों द्वारा भगवान महावीर के उपदेशों का स्मरण किया गया एवं इसके महत्व को बतलाते हुए अपने विचार व्यक्त किए गए । इस अवसर पर पाठशाला परिवार के सभी सदस्यों सहित समाज के अन्य लोग उपस्थित थे। विवेक पाटोदी ने बताया कि भगवान महावीर ने 72 वर्ष की उम्र के जैन ग्रंथों अनुसार 527 ईसा पूर्व कार्तिक मास की अमावस्या पर स्वाति नक्षत्र के उदय होने पर भगवान महावीर ने सुबह के समय निर्वाण प्राप्त किया । उसी समय भगवान महावीर के प्रथम गणधर गौतम स्वामी को केवल ज्ञान रुपी लक्ष्मी प्राप्त हुई और देवों ने रत्नमयी दीपकों का प्रकाश कर उत्सव मनाया। दिव्यात्माओं ने महावीर प्रभू की पूजा की और अत्यंत दीप्तिमान जलती प्रदीप-पंक्तियों के प्रकाश में आकाश तक को प्रकाशित करती हुई पावां नगरी सुशोभित हुई। सम्राट श्रेणिक आदि नरेन्द्रों ने अपनी प्रजा के साथ निर्वाण उत्सव मनाया। उसी समय से प्रति वर्ष भगवान महावीर के निर्वाणोत्सव को अत्यंत भाव और श्रद्धा पूर्वक मनाया जाता है।

आचार्य सुनीलसागर जी महाराज के सानिध्य में राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी का हुआ भव्य उद्घाटन

उप मुख्यमंत्री बतौर मुख्य अतिथि हुए शामिल, केंद्र सरकार द्वारा प्राकृत भाषा को शास्त्रीय भाषा घोषित करना प्रसंशनीय कदम : आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज

किशनगढ़, राजस्थान. शाबाश इंडिया

आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में भगवान महावीर के 2550 वे वर्ष के उपलक्ष में ₹भगवान महावीर एवं प्राच्य विद्याएं ₹विषयक राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी का भव्य उद्घाटन समारोह भव्यता पूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा रहे, जिनके करकमलों द्वारा दीप प्रज्वलन और संगोष्ठी के प्रतीक चित्र का अनावरण किया गया। उन्होंने अचार्य श्री का पाद प्रक्षालन किया और आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर किशनगढ़ दिगंबर जैन समाज चातुर्मास समिति के पदाधिकारियों ने तिलक एवं माल्यार्पण से स्वागत, सम्मान किया। समारोह का शुभारंभ श्रीमती सुशीला जैन पाटनी के मंगलाचरण एवं सोमचंद मेनवार के शास्त्रीय मंगलाचरण की मधुर प्रस्तुति से हुआ। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता अंतरराष्ट्रीय ख्यातिलब्ध विद्वान अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन शास्त्री परिषद के अध्यक्ष डॉक्टर श्रेयांस जैन बड़ौत ने की। सारस्वत अतिथि के रूप में डॉक्टर नरेंद्र गाजियाबाद एवं डॉक्टर शोभा लाल जैन सागर मंच पर विराजमान रहे। आलेख वचन से पूर्व संगोष्ठी विषय की उपस्थापना का महत्त्वपूर्ण कार्य विद्वान सुनील सुधाकर शास्त्री द्रोणागिरी द्वारा प्रस्तुत किया गया। संगोष्ठी के प्रथम सत्र में दो महत्वपूर्ण आलेखों का वाचन किया गया। प्रथम शोधालेख प्रतिष्ठाचार्य पंडित विनोद कुमार रजवास ने भगवान महावीर और उनके गणधर तथा देशना स्थल पर प्रस्तुत किया। द्वितीय आलेख अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त विद्वान डॉ सुनील संचय शास्त्री ललितपुर द्वारा जैन पत्रकारिता एवं भगवान महावीर के नाम से निकलने वाली पत्रिकाओं के बारे में प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने पत्रकारिता की उपादेयता को रेखांकित किया तथा पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ तथा तीसरी आंख बताया। सोशल मीडिया के बढ़ते दुरुपयोग पर चिंता व्यक्त की तथा फेक और अनर्गल पोस्ट शेयर, कॉपी, पेस्ट करने की सलाह दी। इस त्रिदिवसीय संगोष्ठी में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के लगभग 60 विद्वान सम्मिलित होकर विविध विषयों पर अपने विद्वतापूर्ण विचार प्रस्तुत करेंगे। विद्वानों ने कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा को प्राकृत भाषा विश्वविद्यालय की पूर्व घोषणा के शीघ्र क्रियान्वयन हेतु ज्ञापन भी प्रदान किया। उप मुख्यमंत्री ने आचार्य श्री सुनील सागर जी की कृतियों का विमोचन किया। समारोह के समापन अवसर पर आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज ने अपने प्रेरणादायक आशीर्वचनों द्वारा सभी विद्वानों और उपमुख्यमंत्री महोदय को समान भाव से धर्म और समाज की सेवा में संलग्न रहने का आह्वान किया। आचार्य श्री ने अपने प्रवचनों के माध्यम से बताया कि इस संगोष्ठी का आयोजन समाज के बौद्धिक और सांस्कृतिक उत्थान के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भारतीय संस्कृति, प्राकृत भाषा और जैन धर्म के सिद्धांतों को

बढ़ावा देने की दिशा में नई ऊर्जा प्रदान करेगा।कार्यक्रम के सहसंयोजक डॉक्टर आशीष शास्त्री बम्होरी जानकारी देते हुए बताया कि इस संगोष्ठी में आचार्य सुनील सागर जी महाराज द्वारा लिखित प्राकृत साहित्य पर भी शोधालेखों की प्रस्तुति की जाएगी।संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र का कुशल संचालन संयोजक डॉ. आशीष आचार्य जयपुर ने किया। इस मौके पर प्रोफेसर जिनेन्द्र जैन लाडनूं, डॉ. फूलचंद्र प्रेमी वाराणसी, प्रोफेसर अशोक वाराणसी, डॉ ज्योतिबाबू जैन, डॉ सुमित जैन उदयपुर, डॉ आशीष जैन दमोह, प्रोफेसर टीकमचंद जैन, डॉ ममता जैन पुणे, डॉ मनीषा जैन लाडनू, डॉ सोनल जैन दिल्ली, डॉ सुनील जैन आदि अनेक विद्वद्जन उपस्थित रहे।

वेद ज्ञान

मन के कहने पर ही मनुष्य हर काम करता है

मन की यात्रा अधूरी ही होती है। वैसे तो आदमी जीता पूरा है और पूरी तरह से जीने का प्रयास करता है, पर वह जी नहीं पाता। ऐसा इसलिए, क्योंकि वह जीने के लिए प्रयास करता है। उन प्रयासों में वह कुछ संभावनाओं में डूबकर जीता है। कुछ कल्पनाओं में डूबकर जीता है और कभी-कभी स्वप्न में इस तरह खोकर जीता है, जैसे उसका यही सत्य है। यही जीवन है। आदमी का यह मन ही तो है। मन जो मान लेता है, उसी की यात्रा करने लगता है। उसी के नशे में डूबकर कुछ समय काट लेता है। मन सभी चीजों को स्वीकार कर लेता है। मन सभी तरह की बातों को बर्दाश्त कर लेता है। वह केवल अपना रास्ता खोजता रहता है। वह खाने में, पीने में, सोने-जागने में भी अपना प्रभाव रखता है। इसलिए आदमी पूरी तरह से सो भी नहीं पाता। सोकर भी वह स्वप्न में खो जाता है। सोकर वह यात्राएं करने लगता है। स्वप्न में ही उठकर चलने लगता है। स्वप्न में ही मन के भटकाव को मुक्ति देने का प्रयास करता है और कभी-कभी तो सो भी नहीं पाता। पूरी रात स्वप्नों में ही गुजार देता है। वैसे तो मनुष्य पूरी व्यवस्थाओं के साथ जन्म लेता है। जब वह जन्म लेता है तो मां के स्तन में दूध आ जाता है और प्रेम के अनुग्रह का अथाह सागर उसके लिए उमड़ पड़ता है, पर जैसे-जैसे उसकी दुनिया बढ़ती जाती है। वह अपने जीवन के प्रश्नों के समाधान में उलझ जाता है। आदमी की मांग बढ़ती जाती है। प्रश्नों का चक्रव्यूह बढ़ता जाता है। चाहतें बढ़ने लगती हैं। समाधान की खोज में यात्राएं होती रहती हैं। किसी स्थूल यात्रा को वह पूरा कर लौट आता है। तो किसी में उलझ कर छोड़ आता है। आदमी के प्रश्न भी अनेक तरह के हैं और समाधान के मार्ग भी भिन्न तरह के हो जाते हैं। आदमी की कई तरह की चाहतें हैं। अनेक तरह से प्रेम करता है। कोई प्रेमिका के प्रेम में या किसी प्रेमी के प्रेम में खोकर अपना स्वर्ग समझ लेता है। इसी को अपनी जिंदगी समझ लेता है। तो कोई धन से प्यार करता है, कोई पद प्रतिष्ठा से तो कोई कला से प्रेम करने लगता है। इस प्रकार मन के कहने पर वह हर काम करता है, लेकिन बाद में उसे यह अहसास होता है कि मन के कहने पर वह जो भी करता है, अंततः हाथ कुछ नहीं आता। मन की नीरसता व रिक्तता दूर नहीं होती।

संपादकीय

तकनीक के दौर में अब सामने आ रहे जटिल खतरे...

आधुनिक तकनीकी सुविधाओं के विस्तार के साथ इससे जुड़े जटिल खतरे अब लोगों के लिए परेशानी का सबब बनने लगे हैं। ऐसे अनेक मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें किसी व्यक्ति को वीडियो काल करके उसे बातों के जाल में फंसाया गया, उसके या उसके बच्चों के किसी अपराध में शामिल होने की बात करके डराया गया, घर के एक कमरे में बंद रहने और फिर एक बड़ी रकम भेजने पर मजबूर किया गया। इसे आजकल 'डिजिटल अरेस्ट' कहा जा रहा है। इस संजाल में लोगों के फंसने के कई मामले सामने आ चुके हैं। आम जिंदगी में तकनीक के लगातार बढ़ते दखल और उस पर निर्भरता के समांतर निश्चित तौर पर यह व्यापक चिंता का विषय है और इसके बारे में जनता के बीच जागरूकता फैलाने से लेकर इससे निपटने के लिए ठोस उपाय निकालने की जरूरत है। इसी के मद्देनजर प्रधानमंत्री ने अपने मन की बात कार्यक्रम में इंटरनेट के सहारे 'डिजिटल अरेस्ट' या अन्य तरीकों से चल रही ठगी को लेकर आम जनता को यह संदेश दिया कि वे इस संजाल में न फंसें। यह जगजाहिर तथ्य है कि अक्सर लोगों के पास इस तरह के फोन आते रहते हैं, जिनमें पुलिस अधिकारी के वेश में कोई व्यक्ति वीडियो काल करके खुद को किसी महकमे या संस्थान का अधिकारी बता कर किसी से जुर्माना या फिर पैसा चुकाने को कहता है। फोन पर ऐसे आधार या संदर्भ बताए जाते हैं कि कई लोग डर कर बातों के जाल में फंस जाते हैं और मांगी गई रकम बैंक खाते के जरिए भेज देते हैं। जबकि हकीकत यह है कि कोई भी सरकारी एजेंसी किसी व्यक्ति को फोन पर वीडियो या आडियो के जरिए बात करके न तो किसी संबंध में पूछताछ करती है और न ही पैसों की मांग करती है। मगर इस सामान्य जानकारी से अनजान कई लोग फोन पर ठगी करने वालों की बातें मान लेते हैं। बाद में जब उन्हें अपने साथ हुई ठगी का पता चलता है, तब तक उनके साथ बहुत कुछ गड़बड़ हो चुका होता है। जाहिर है, इंटरनेट के इस्तेमाल से संबंधित जागरूकता और प्रशिक्षण के अभाव या फिर साइबर अपराधों की दुनिया से अनजान लोग ऐसी ठगी में फंस कर कई बार बड़ा नुकसान उठाते हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री की सलाह इसलिए महत्त्वपूर्ण है कि 'डिजिटल अरेस्ट' सहित साइबर ठगी के अन्य संदर्भों में उन्होंने लोगों को सावधान रहने की जो सलाह दी, उसकी पहुंच का दायरा बहुत बड़ा है। निश्चित तौर पर बहुत सारे लोगों को इससे इंटरनेट के अलग-अलग मंचों का उपयोग करते समय सतर्क रहने में मदद मिलेगी। मगर आधुनिक तकनीकी के फैलते पांव के साथ जैसे-जैसे डिजिटल माध्यमों पर लोगों की निर्भरता बढ़ती जा रही है, खुद सरकार भी ज्यादातर शासकीय सेवाएं डिजिटल तंत्र के जरिए लोगों तक पहुंचाने पर जोर दे रही है, तो ऐसे में इस माध्यम के उपयोग को सबके लिए हर तरह से सुरक्षित और सहज बनाया जाना चाहिए। यह छिपा नहीं है कि कई बार बिना किसी मजबूत आधार के, लोगों के बैंक खाते बंद या बाधित कर दिए जाते हैं या फिर किसी मामूली नुक्ते की वजह से सेवाएं रोक दी जाती हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

वायुसेना की ताकत

आजकल किसी देश की सामरिक शक्ति का मूल्यांकन इस आधार पर किया जाता है कि उसकी वायुसेना के बेड़े में कितने अत्याधुनिक युद्धक विमान हैं, कितनी दूर तक मिसाइलें दागने और दुश्मन की मिसाइलों को भेदने की उसकी क्षमता है। युद्ध क्षेत्र में वह कितनी तेजी से अपने सैनिकों की तैनाती कर सकता है, हथियारों और गोला-बारूद की पहुंच सुनिश्चित कर सकता है। इस मामले में भारतीय वायुसेना की सामर्थ्य लगातार बढ़ रही है। सी-295 विमानों को अपने ही देश में तैयार करने की सरकार की तैयारी इसका अगला चरण है। वायुसेना को लंबे समय से शिकायत रही है कि उसके बेड़े में युद्धक और मालवाहक विमान पुराने पड़ चुके हैं, जिसके चलते वह अपने दुश्मन को ठीक से चुनौती दे पाने में सक्षम नहीं है। इसी के मद्देनजर रफाल विमानों की खरीद की गई थी। स्वदेशी तकनीक से हथियारों के निर्माण पर बल दिया गया। अब छप्पन सी-295 विमानों के निर्माण से वायुसेना को आयुध सामग्री पहुंचाने, सैनिकों और चिकित्सा सुविधाओं की त्वरित व्यवस्था सुनिश्चित करने में काफी मदद मिलेगी। पहली बार है, जब कोई निजी कंपनी भारत में वायुसेना के लिए विमान का निर्माण करेगी। स्पेन की कंपनी एअरबस के साथ टाटा ने समझौता कर इन विमानों के निर्माण की दिशा में कदम आगे बढ़ाया है। दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने इसकी निर्माण इकाई का उद्घाटन भी कर दिया है। इस विमान की खासियत यह है कि इसे उतरने और उड़ान भरने के लिए बहुत छोटी हवाई पट्टी की जरूरत होगी। यानी दुर्गम पहाड़ी जगहों पर भी इसे उतारा जा सकता है। यह तिहत्तर सैनिकों या फिर नौ टन वजन की सामग्री लेकर उड़ान भर सकता है। इसमें आठ सौ किलोग्राम वजन के हथियार भी लगाए जा सकते हैं। यह लगातार ग्यारह घंटे तक उड़ान भर सकता है और इसमें हवा में ईंधन भरा जा सकता है। इस शृंखला के सोलह विमान स्पेन में तैयार होंगे और बाकी चालीस गुजरात के वडोदरा में बनाए जाएंगे। स्वाभाविक ही इन विमानों के वायुसेना के बेड़े में शामिल होने से सेना का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि पड़ोसी देशों से मिलने वाली चुनौतियों से निपटने में भी काफी आसानी होगी।

खेलों से हमारा शारीरिक एवं मानसिक विकास होता हैः अनीता गुप्ता

अंबाह. शाबाश इंडिया। माथुर वैश्य धर्मशाला परिसर में माथुर वैश्य शाखा सभा एवं महिला मंडल अंबाह द्वारा समाज के बच्चों एवं महिलाओ को खेलों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे चेयर रेस, नींबू रेस, बास्केट बॉल, सुई धागा रेस आदि सहित विभिन्न खेल कराये गये जिसमे महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती अनीता गुप्ता एवं शाखा सभा अध्यक्ष हरेंद्र गुप्ता सहित सेवादल अध्यक्ष आयुष गुप्ता, गीता गुप्ता, ममता गुप्ता, किशोरी गुप्ता, अंजलि गुप्ता, पूजा गुप्ता, शिखा गुप्ता,मंजू गुप्ता,ममता गुप्ता,अंशुल गुप्ता,अरविंद गुप्ता, सचिन गुप्ता, दिनेश गुप्ता, आयुष गुप्ता , लवी गुप्ता ,गोलू गुप्ता , कपिल गुप्ता चिराग गुप्ता एवं अन्य सदस्य मौजूद रहे, इस दौरान श्रीमती अनीता गुप्ता ने बताया कि 8 तारीख को निकल रहे चल समारोह के दिन आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए बच्चों का चयन 3 नवंबर रविवार को माथुर वैश्य धर्मशाला में दोपहर 2:00 बजे से किया जाएगा। साथ ही झांकी वाले बच्चे अपने अपना नाम एक नवंबर 2024 तक राधा मोहन गुप्ता एवं अंशुल गुप्ता को दे सकते है खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए अध्यक्ष श्रीमती अनीता गुप्ता ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में जितना महत्व शिक्षा का है उतना ही खेलों का भी है। खेलों से हमारा शारीरिक तथा बौद्धिक विकास होता है। उन्होंने कहा कि हर विद्यार्थी को कोई न कोई खेल जरूर खेलना चाहिए और उसमें निपुणता हासिल करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि खेल के क्षेत्र में भी उज्ज्वल भविष्य बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इलाके की कई महिला खिलाड़ी विश्व स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन कर रही हैं। विद्यार्थियों को ऐसे खिलाड़ियों को अपना रोल मॉडल बनाना चाहिए। इन्होंने इस अवसर पर समाज के बच्चो से आग्रह किया कि वह अपनी खेल प्रतिभा को निखारने के लिए लगातार अभ्यास करें।

महावीर नगर साधना संस्थान में प्रणम्य सागर जी महाराज का ओम अरिहम नमों का ध्यान एवं योग करवाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

आज महावीर नगर स्थित महावीर नगर साधना संस्थान में प्रणम्य सागर जी महाराज का ओम अरिहम नमों का ध्यान एवं योग का कार्यक्रम संपन्न हुआ। महाराज श्री ने सुबह प्रातः ओम अरिहंम नमः का जाप करवाते हुए योग साधना करवाई। इस अवसर पर दीप प्रज्वलन एवं पाद प्रक्षालन जिनेंद्र बीना छाबडा एवं रोहित मोहित और अमित छाबड़ा ने किया। अध्यक्ष अनिल जैन एवं सचिव सुरेश काला ने बताया की जस्टिस नरेंद्र कुमार जैन एवं उप महापौर पुनीत कर्णावत और दिगंबर जैन महासमिति के महामंत्री सुरेंद्र कुमार जैन पण्ड्या की गरिमामय उपस्थित रहीं।

दीपावली के पावन पर्व पर गौ माता के प्रति संस्कार डालने का आह्वान

नवीन भंडारी, ट्रस्टी श्रीराम आशापूरण चैरिटेबल ट्रस्ट

भारत में प्राचीन काल से ही गौ माता को मां का दर्जा दिया गया है। वह हमारी संस्कृति और पर्यावरण की रक्षक हैं। लेकिन आज के युग में गौ माता को दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर किया जा रहा है। हमें अपने बच्चों मे गौ माता के प्रति संस्कार डालने की आवश्यकता है। हमें उन्हें समझाना होगा कि गौ माता हमारी मां है, हमारी संस्कृति की रक्षक है, और हमारे पर्यावरण की संरक्षक हैं। हमें गौ माता के सम्मान के लिए काम करना होगा। हमें उनकी सुरक्षा के लिए कदम उठाने होंगे। गौसंवर्धन करना प्रत्येक भारतवासी की जिम्मेदारी है। पुराने शास्त्रों के अनुसार, गोवर्धन का बहुत बड़ा महत्व है गौ माता की पूजा से घर में सुख-समृद्धि आती है। उन्होंने आगे कहा, धार्मिक परंपराओं को बनाए रखने के लिए गौ माता की सेवा करना आवश्यक है। हमें अपनी परंपराओं को बनाए रखने के लिए एक साथ आना होगा। आइए दीपावली के इस पावन पर्व पर गौ माता को अपने सामर्थ्य के अनुसार सहयोग दें और आमजन को प्रेरित करें। यज्ञ हवन में गौ माता के गोबर से निर्मित उपले और दिवाली पर गोबर से बने दिये जलाने के लिए प्रेरित हों। इससे हम अपने घर को रोशन करने के साथ-साथ गौ माता के प्रति अपनी श्रद्धा भी दिखा सकते हैं। आइए हम सब मिलकर गौ माता के सम्मान के लिए काम करें। हम अपने बच्चों में गौ माता के प्रति संस्कार डालें। श्रीराम आशापूरण चैरिटेबल ट्रस्ट, पिछले कई वर्षों से जनजाति के उत्थान और समाज की सेवा में समर्पित है। हमें आपके सहयोग और आशीर्वाद से आगे बढ़ने की शक्ति मिलती है हमें आपके सहयोग की आवश्यकता है ताकि हम अपने मिशन को सफलतापूर्वक पूरा कर सकें। **मोबाइल नंबरः 9314329555**

मिट्टी के दिये

जल न पाए जो कच्ची उम्र में अंगारों से ,
अपनी ही आग में जलते हैं ये मिट्टी के दिये।

अपना साया भी अंधेरे में साथ देता नहीं ,
हमसफर बन के साथ चलते हैं मिट्टी के दिये।

कुछ नहीं मांगते इंसां या देवता से कभी,
फिर भी त्यौहार मनाते हैं ये मिट्टी के दिये।

इतना स्वार्थी है जमाना कि जलाता है इन्हें,
सिसकियां तक नहीं भरते हैं ये मिट्टी के दिये।

इनके घर में हो अंधेरा तो कोई बात नहीं है ,
सब के घर रोशनी करते हैं ये मिट्टी के दिये ।

जिसने इनको बनाया जिंदा जलाया जिसने,
दोनों को राह दिखाते हैं ये मिट्टी के दिये।

ठोकरों में पड़ीं कल तक जो शिला पत्थर की,
उनको भगवान बनाते हैं ये मिट्टी के दिये।

छूट कर गिर न पड़ें हैं इनकी हिफाजत रखना ,
अनिल के दिल से भी नाजुक हैं ये मिट्टी के दीये।

कभी आंगन कभी मरघट कभी समाधि पर ,
किसी की याद में जलते हैं ये मिट्टी के दिए।

गीतकार अनिल भारद्वाज
एडवोकेट उच्च न्यायालय ग्वालियर

जवाहर कला केंद्र में लोकरंग उत्सव में आमेर की प्राचीन लोक कला भक्ताई की प्रस्तुति का मंचन हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

भक्ताई लोक कला एक भजन लोक गायन वादन कला है जो की एक विशेष लय ताल बंध तरीके से ढूंढाड़ी भाषा में गयी जाती है। इस लोक कला का बहुत प्राचीन लोक कला है जिसका मूल उदगम का कही इतिहास में जिक्र नहीं किया गया है, पौराणिक भक्ताई लोक कला के कलाकारों की पीढ़ी दर पीढ़ी ये लोक कला आगे बढ़ी है माना जाता है की आमेर रियासत से भी पूर्व की लोक कला है। हजार वर्ष से भी ज्यादा पुरानी लोक कला है। भक्ताई लोक कल मुख्यत धार्मिक आयोजनों में इसका आयोजन किया जाता है। जैसे किसी घर में बच्चे के जनम से लेकर उसके बड़े होने नौकरी लगने शादी होने से लेकर उसकी मृत्यु तक के सभी सुख दुख के धार्मिक आयोजनों में देवी देवताओं एवं पितृ देवो को खुश करने एव मनाने के लिये भक्ताई लोक कला के आयोजन किये जाते है। भक्ताई लोक कला में प्रारम्भ में गणेश जी भजन गीत, एवं बाद में माता जी के गीत जिसमें ज्वाला माता, शिला माता, शीतला माता इत्यादि के गीत गाये जाते हैं। इसके बाद भेरू जी, भोमिया जी, तेजाजी, इत्यादि लोक देवताओं के गीत गाये जाते है तथा साथ में सभी पितृ एवं देवो की गीत भी गाये जाते। भक्ताई के आयोजन पूरी रात भर चलते है कई बार विशेष आयोजन पर 2, 3 दिन लगातार प्रोग्राम चलते है। इसमें भक्तो को भक्ताई के कलाकारों को भक्त या भगत कहकर बुलाते है उनके चाय पानी की विशेष व्यवस्था आयोजन कर्ता द्वारा की जाती है। आमेर के राजा मानसिंह जी द्वारा दरबार में भक्ताई के विशेष आयोजन रखे जाते थे, जिसमें प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता था जिसमें आमेर के आसपास की सभी छोटी रियासत एवं सभी गांवों के कलाकारों को आमंत्रित किया जाता था। प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ भक्ताई की मंडली को उपहार में विशेष उपहार दिया जाता, सोने के सिक्के, जमीन, हवेली, तक उपहार में दी जाती थी। आमेर में पांचू राम जी सैनी आजादी से पूर्व के आमेर के आसपास के सर्वश्रेष्ठ लोक कलाकारों में एक थे वो जहा भी भक्ताई के आयोजन की प्रतियोगिता होती जीत कर आते और उन्हें कोई भी चेलेंज देता स्वीकार कर लेते और हमेशा जीतते थे आज भी उनके नाक के भजन भक्ताई लोक कला में गाये जाते हैं। आज मुख्य रूप भक्ताई लोक कला में आयोजन में दो दल आमने सामने बैठते है जो आपस में भजन गीत की प्रतियोगिता करते है जिसमें विशेष ताल लय में भजन गाते है बजाते है जो दूसरा दल पहले की हूबहू कॉपी कर लेता वो जीत जाता और फिर बारी बारी से ये कार्यक्रम चलता है। इसमें वर्तमान में पुरुष कलाकारों द्वारा ही भक्ताई के भजन गाए-बजाए जाते हैं जबकि पहले के समय में भक्ताई लोक में महिलाओ द्वारा भी भजन गाये जाते थे। नाच गान भी होता था। आज भी महिलाये भक्ताई के आयोजन में हिस्सा तो लेती है सिर्फ दर्शक की भूमिका में। महिलाओ के बैठने के लिये अलग व्यवस्था की जाती है। भक्ताई के भजन कलाकारों के साज के साथ भजन होने के बाद ही महिलाओ के द्वारा लोक गीत गाये जाते है ' जो की पितृ देवो को मनाने और घर परिवार समाज की सुख शांति और समृद्धि के लिये होते। भक्ताई लोक कला के साज में मुख्य रूप से तबला, कुण्डी, झालर , जांझ का मुख्य रूप से उपयोग किया जाता है, और कही कही चंग, मंजीरा का उपयोग भी किया जाता है। समय के साथ भजन गायन शैली में परिवर्तन भी आया है एक समय में यह लोक कला लोल नाट्य कला भी थी जब भजन के साथ नाट्य शैली में विशेष पात्रों द्वारा अभिनय कला का भी प्रदर्शन किया जाता था आज ये अभिनय भजन गायन और विशेष व्याख्यान में बदल गया है। अलग अलग समाज में अलग अलग पहनावा होता है, पहनावे में मुख्य रूप से धोत्ती कुर्ता, कमीज साफा पगड़ी है। अलग अलग समाज में अलग अलग रंग के साफा पगड़ी पहनी जाती है इसमें भी वरिष्ठ कलाकारों द्वारा विशेष रंग का साफा उनकी उपाधि के लिये पहना जाता है, जो उनकी वरिष्ठता का परिचय कराता है । इसमें गुरु शिष्य की परम्परा होती है कोई भी समाज का कलाकार अपना कोई गुरु चुन सकता है जिससे इस विद्या की शिक्षा ग्रहण करता है ।जिसके बाद गुरु की कंठी शिष्य के गले में बांधी जाती है । किन्तु यदि नये कलाकार को इसकी शिक्षा ग्रहण करनी हो और उसके परिवार में पहले से कोई इस कला का साधक है, तो उसे किसी को गुरु बनाने की आवश्यकता नहीं होती है वो सीधे ही इस कला से जुड़ सकता है। वर्तमान में इस लोक को साधने वाले लोक कला कलाकार बहुतायत में माली समाज के कलाकार है जबकि भक्ताई लोक कला किसी एक समाज में बंधी नहीं है भक्ताई लोक कला को सभी समाजो में समान दर्जा दिया जाता है माली समाज के अलावा मीणा समाज, गुर्जर समाज, रैगर समाज के साथ अन्य समाज में भक्ताई लोक कला के कलाकार है ।

ये दिवाली माय भारत वाली

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रधानमंत्री के विजन एवं मिशन से ओत-प्रोत मेरा युवा भारत अभियान की प्रथम वर्षगांठ आयोजन समारोह की श्रख्लां मे दिनांक 27 से 30 अक्टूबर तक आयोजित बाजार स्वच्छता अभियान, ट्रैफिक जागरूकता एवं अस्पतालों में मरीजो की सेवा के अभियान का शुभारंभ छोटी चोपड़ चांदपोल बाजार में स्वच्छता अभियान चला कर किया गया। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, क्षेत्रिय निदेशालय राष्ट्रीय सेवा योजना, जयपुर, कानफेडरेशन आफ ऑल इंडिया ट्रेडरस, जयपुर व्यापार महासंघ, जयपुर शहर के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयो की राष्ट्रीय सेवा इकाईओं के कार्यक्रम अधिकारी एवं स्वयंसेवक तथा नेहरू युवा केंद्र संगठन के संयुक्त प्रयासों से यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। आज कार्यक्रम के उदघाटन समारोह में स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए श्री सुभाष गोयल, प्रदेश अध्यक्ष, कॉनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडरस एवं अध्यक्ष, जयपुर व्यापार महासंघ ने बताया कि पूरे प्रदेश में इन कार्यक्रमों के आयोजन में कॉनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडरस की जिला इकाईयों द्वारा पूर्ण सहयोग एवं सक्रिए योगदान किया जाएगा एवं ये दिवाली माय भारत वाली कार्यक्रम के माध्यम से स्वच्छता एवं मानव सेवा का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं जिससे कि सभी लोग हर्षोल्लास से दिपावली का त्योहार राष्ट्रहित को सर्वोपरि मनाए। कॉनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडरस राजस्थान चैप्टर के कार्यकारी अध्यक्ष श्री मनोज गोयल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु पूरे प्रदेश में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। क्षेत्रीय निदेशक, राष्ट्रीय सेवा योजना, राजस्थान श्री एस पी भटनागर ने बताया कि जयपुर जिले में 27 से 30 अक्तूबर तक आयोजित ये दिवाली विद माय भारत के जिला नोडल अधिकारी विवेकानन्द ग्लोब्ल विश्वविद्यालय के डा. सुधीर वर्मा के संयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक बाजारों की सफाई, ट्रफिक अवेयरनेस, अस्पतालों में सेवा कार्य संपादित करेंगें। इस कार्य हेतु पूरे राज्य में एन एस एस एवं नेहरू युवा केंद्र संगठन के जिला नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। आज के छोटी चोपड़ में आयोजित उदघाटन श्रमदान कार्यक्रम एवं स्वरुछता रैली में कोनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडरस के राज्य सचिव हेमंत प्रभाकर, व्यापार मंडल के विभिन्न पदाधिकारी, नेहरू युवा केंद्र संगठन के क्षत्रिय निदेशक भुवनेश जैन, जयपुर नगर निगम हैरीटेज के उपायुक्त सुरेंद्र यादव, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारियों के नेतृत्व में शहर के विभिन्न महाविद्यालयों के लगभग 500 स्वयंसेवकों ने भाग लिया एवं स्वच्छ भारत के निर्माण का संकल्प लिया।

दीपक के समान जीवन को ज्ञान से उज्ज्वल बनाएं : गुरुमां विज्ञाश्री माताजी

गुन्सी. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी राजस्थान में विराजमान परम पूज्य भारत गौरव गणिनी गुरु मां 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ सानिध्य में दीपावली पर्व पर मनाया जाएगा 2551 व वीर निर्वाण महोत्सव एवं चढ़ायें जायेंगे 1111 निर्माण लड्डू। प्रतीक जैन सेठी ने बताया कि इस आयोजन में सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ के ट्रस्टी गण एवं जिला प्रमुख सरोज बंसल विशेष अतिथि के रूप में पधारने वाली है। सभी भक्तों के लिए अल्पाहार की समुचित व्यवस्था की गई है। पूज्य माताजी ने प्रवचन में श्रद्धालुओं को संबोधन करते हुए कहां की दीपावली के शुभ अवसर पर दीपक जैसे जीवन को उज्ज्वल बनाने के लिए कुछ नए आयोजनों के साथ पुण्यवर्धक क्रियाओं में सम्मिलित होना चाहिए। भगवान महावीर के संदेशों को जीवन में अवतरित करना होगा। भगवान महावीर का जीवन दीपक के समान उज्जवल हो गया। हम भी दीपावली इसी भाव के साथ मनाएं। ज्ञान रूपी दीपक जलाने का मुख्य उद्देश्य हमारे जीवन में अवतरित हो।

गुर्जर गौड़ ब्राह्मण सभा कार्यकारिणी के एस एन गौतम अध्यक्ष, रवि तिवाड़ी महामंत्री बने

जयपुर. शाबाश इंडिया

गुर्जर गौड़ ब्राह्मण सभा कार्यकारिणी व समाज के वरिष्ठजनों की सामूहिक बैठक शास्त्री नगर स्थित सीतारामजी मंदिर में संपन्न हुई। बैठक में समाज के जागरूकता व रचनात्मक कार्य एवं नई कार्यकारिणी के चुनाव को लेकर चर्चा हुई। सभा अध्यक्ष पवन लहरी ने अपने स्वास्थ्य कारणों से कार्य करने में असमर्थता जताई और पद से इस्तीफा देकर अपनी समस्त कार्यकारणी भंग कर दी। जिसके बाद वहीं बैठक में एसएन गौतम को अध्यक्ष व रवि तिवाड़ी को महामंत्री पद पर सर्वसम्मति से चुना गया। इनका कार्यकाल 2 साल का रहेगा। एसएन गौतम के अध्यक्ष बनने पर शुभचिंतकों एवं समाज के वरिष्ठजनों ने शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

चिकित्सा शिविर में 427 रोगियों ने ली सेवाएं

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। आचार्यविद्यासागर वाटिका में वीर सेवा संघ के संयोजन में शैलबी हॉस्पिटल जयपुर द्वारा वृहत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। अध्यक्ष सुभाष जैन हुमड ने बताया कि शिविर में 427 रोगियों ने जाँच एवं परामर्श प्राप्त किया, जिसमें बीपी,शुगर, ईसीजी और फिजियोथैरेपी की निःशुल्क सुविधाएं उपलब्ध कराई गई। डॉ देवेंद्र चौधरी -वरिष्ठ मूत्र रोग विशेषज्ञ, डॉ जलज मीणा-रीढ़ की हड्डी रोग विशेषज्ञ, डॉ राकेश चौधरी फिजिशियन एवं डॉ पूजा जैन फिजियोथैरेपी ने सेवाएं प्रदान की। उपाध्यक्ष नरेश जैन गोधा ने सभी का आभार प्रकट किया। सुभाष हुमड ने शैलबी टीम,सभी समाजजन तथा कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया। संरक्षक एन सी जैन ने सभी का स्वागत किया। संचालन दिलीप अजमेरा ने किया। कैंप को सफल बनाने में अरविंद जैन अजमेरा, अशोक जैन कांटीवाल, सुनील जैन पाटनी, संजय झांझरी,राकेश पहाड़िया, अजय जैन बाकलीवाल, मनीष जैन शाह, सुशील शाह आदि का सहयोग रहा।

प्रदीप जैन पीएनसी बने पद्मप्रभु जिनालय के शिरोमणि ट्रस्टी गौरवाध्यक्ष

आगरा. शाबाश इंडिया

श्री पद्मप्रभु जिनालय अवधपुरी ट्रस्ट ने श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर डी ब्लॉक कमला नगर में मन्दिर निर्माण प्रणेता मेडिटेशन गुरु उपाध्याय श्री विहसन्त सागर जी महाराज की प्रेरणा से समाज गौरव श्रेष्ठी प्रदीप जैन पीएनसी को श्री पद्मप्रभु जिनालय ट्रस्ट अवधपुरी आगरा के गौरवाध्यक्ष शिरोमणि महामहिम ट्रस्टी मनोनीत किया गया। जिनका श्री पदमप्रभु जिनालय ट्रस्ट के पदाधिकारीओं ने प्रदीप जैन पीएनसी के निवास स्थान पर पहुंचकर माला एवं दुपट्टा पहनकर स्वागत अभिनंदन किया गया । ज्ञात रहे उक्त ट्रस्ट के महामहिम ट्रस्टी पद पर मधु जैन अध्यक्ष (पारस प्रोपर्टी) एवं वीरेंद्र जैन छीपीटोला कार्याध्यक्ष, मुख्य ट्रस्टी इंद्रप्रकाश जैन अवधपुरी महामंत्री रोहित जैन अहिंसा कोषाध्यक्ष एवं अन्य पदों पर सामान्य ट्रस्टी गण अजय जैन, जयकुमार जैन, राकेश कुमार जैन HAL ,सुशील जैन नशिया विशाल जैन लुहाड़िया,रविन्द्र जैन (ब्रश वाले)को मनोनीत किया गया। आगरा जैन समाज ने उक्त मनोनयन पर सभी पदाधिकारियों को बधाई देते हुए हर्ष व्यक्त किया गया। इस अवसर पर इन्द्र प्रकाश जैन, करुणा जैन,अजय कुमार जैन,अजय जैन,रश्मि जैन,जय कुमार जैन,नरेंद्र जैन जल निगम, विवेक जैन शास्त्री पुष्पा जैन,नरेंद्र कुमार जैन,शुभम जैन विवेक जैन, इसके साथ ही भारत जैन समाज गौरव एवं मुख्य संयोजक मनोज जैन बाकलीवाल भी मौजूद रहे।

वीर बाहुबली ग्रुप का समाज जनों ने अभिनंदन किया

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। दिगम्बर जैन सोशलग्रुप वीरवाहु वली ग्रुप ने पर्युषण महापर्व पर अष्टापद बद्रीनाथ केलाश पर्वत की विशाल झांकी परदेशीपुरा जैन मंदिर पर बनाई थी । आज वीर बाहुबली ग्रुप के अध्यक्ष प्रियक जैन एवं गोलू जैन का वरिष्ठ समाजजनों द्वारा सम्मान कर आभार प्रकट किया गया। इस अवसर पर निवार्णा गार्डन में पुल पार्टी का आयोजन भी किया गया इस अवसर पर दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन पदाधिकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका, मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू, महावीर ट्रस्ट के अध्यक्ष अमित कासलीवाल, हसमुख गांधी, परवार समाज के अध्यक्ष राजेश लारेल,राजु अलबेला, अरविंद जैन, एडवोकेट महेंद्र जैन, कमलेश कासलीवाल, कार्यअध्यक्ष राजेन्द्र एक्साइज, अतिरिक्त महासचिव दिलीप मेहता, आशीष सुतवाले इन्दौर रीजन ग्रुप अध्यक्ष वितुल अजमेरा, सचिव रितेश पाटनी, संजय पापडीवाल, संजय अहिंसा, प्रदीप मामा, अरविंद बंडू, संजय काका, अखिलेश सोधिया एवम समाज के अध्यक्ष मंत्री सहित अनेक समाज श्रेष्ठी इस पल के साक्षी बने एवम वीर बाहुबली ग्रुप के अध्यक्ष प्रियंक जैन गोलु जैन सभी टीम को बधाई दी।

विश्व लकवा दिवस विशेष

सर्दियों में बढ़ जाता है ब्रेन स्ट्रोक का खतराः डॉ. मेधा गुप्ता

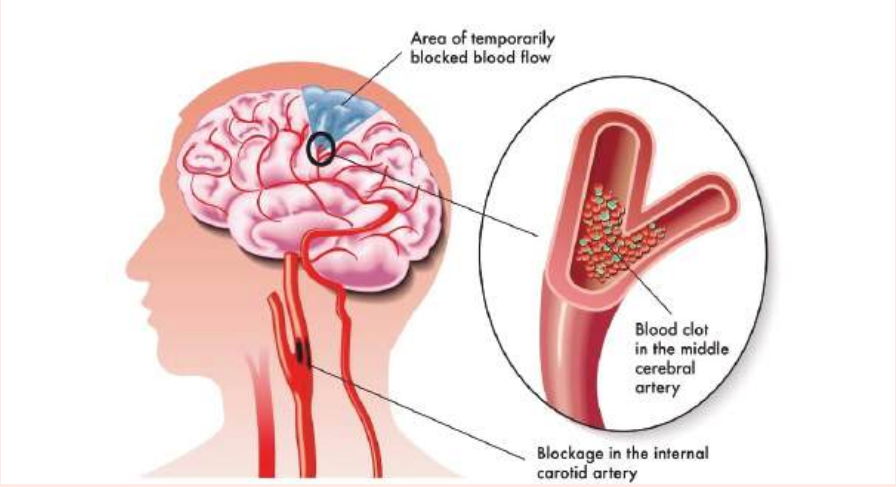

जयपुर. शाबाश इंडिया

सर्दियों के मौसम में दिल के दौरे, स्ट्रोक, हार्ट अटैक, दिमाग संबंधी समस्याएं, और हेल्थ से जुड़ी परेशानी बढ़ जाती है। ब्रेन स्ट्रोक इन दिनों 20 से 40 साल की उम्र के लोगों के बीच काफी ज्यादा सामान्य हैं। हाई ब्लड प्रेशर, खराब खाने की आदतों, एक्सरसाइज और तनाव की वजह जैसे कारकों के अलावा, मौसम में बदलाव भी आपके दिमाग को खतरा पहुंचा सकता है। सर्दी के मौसम में जब बाहर का मौसम ठंडा होता है तो बड़ी संख्या में लोग दिल के दौरे. ब्रेन स्ट्रोक के शिकार हो जाते हैं। डॉक्टर मेधा गुप्ता के अनुसार अगर ब्रेन स्ट्रोक के सामान्य लक्षणों की बात की जाए तेज सिर दर्द, जी मिचलाना, उल्टी होना भ्रम की स्थित में होना- बोलने या समझने में मुश्किल, अस्पष्ट बोलना- एक या दोनों आंखों से साफ न दिखना साथ ही उन्होंने बताया कि ब्रेन स्ट्रोक के खतरे को कम करने के लिए शराब, सिगरेट का सेवन न करें, तनाव से दूर रहें, नियमित व्यायाम व प्राणायाम करें साथ ही सामान्य दिन चर्या का पालन करे मोटापे के शिकार लोग वजन नियंत्रित करेंसिरदर्द से पीड़ित मरीज सिटी स्कैन व एमआरआई जांच कराएं।

भगवान के अभिषेक पूजन स्वाध्याय दान विधिपूर्वक करने से पुण्य पुण्य की प्राप्ति होती हैः मुनिश्री हितेंद्र सागर जी

पारसोला। पंचम पट्टाघीश आचार्य श्री वर्धमान सागर जी घरियाबाद के पारसोला कस्बे में संघ सहित विराजित हैं। आचार्य श्री के शिष्य मुनि हितेंद्र सागर जी ने अपनी धर्म देशना में बताया कि गुरु से आप दोनों हाथों से आशीर्वाद लेना चाहते हैं आशीर्वाद भौतिक या नश्वर नहीं लेते हुए शाश्वत अक्षय आशीर्वाद प्राप्त करना चाहिए। मुनिश्री ने एक उदाहरण के माध्यम से बताया कि आपके घर मेहमान आने पर आप विशेष साफ-सफाई करते हैं पर्व दीपावली आ रहा है जब भी आप साफ सफाई करते हैं उसी प्रकार आप पूजा के माध्यम से भगवान को आवह्वान करते हैं कि आप मेरे हृदय में विराजो भगवान आपका हृदय में तभी विराजित होंगे जब हृदय खाली होगा अभी हृदय में क्रोध, मान, माया, लोभ ,कपट ,लालच,आदि गलत बुराईयों भरी हुई है ,जब तक उनकी आप साफ सफाई व्रत ,नियम ,संयम धर्म से नहीं करेंगे तब तक भगवान आपका हृदय में कैसे विराजित होंगे? इसके उपाय में मुनि श्री ने बताया कि आपके तीनों योग मन ,वचन काय की एकाग्रता से भगवान का स्मरण विनय पूर्वक करना चाहिए। आपको सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान, सम्यक चारित्र की प्राप्ति के लिए भगवान के दर्शन, अभिषेक, पूजन, स्वाध्याय, दान श्रावक के 6 आवश्यक कार्य श्रद्धा, विनय, पूर्वक करना चाहिए इससे पुण्य का आश्रव होता है इस प्रकार पुण्य का संचय करना चाहिए ।आपको धार्मिक कार्य विधिपूर्वक करना चाहिए क्योंकि देव शास्त्र गुरु अनंत,अतुल गुणों के धारी होते हैं। ऋषभ पचौरी अध्यक्ष वषायोग समिति एवं जयंतीलाल कोठारी अध्यक्ष दशा हूंमड समाज ने बताया कि धर्म सभा के प्रारंभ में वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी की पूजन पश्चात,मंगलाचरण हुआ पूवार्चार्य के चित्रों का अनावरण एवं दीप प्रज्वलन राजेश पंचोलिया, सनत जैन इंदौर, पंकज घाटलिया तथा अन्य ने किया। **-राजेश पंचोलिया**

नि :शुल्क हड्डी रोग जांच शिविर में 68 लाभन्वित

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल कुचामन सिटी के तत्वावधान में श्रीमती गुणमाला देवी कमलकुमार पाण्ड्या के सौजन्य से 24 वां निःशुल्क हड्डी, जाँच जॉइन्ट, लिगामेंट, घुटना रिप्लेसमेंट सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. जितेश जैन (राजस्थान हॉस्पिटल, जयपुर) अरिहंत हेल्थ केयर सेन्टर राजकीय चिकित्सालय के पास आयोजित किया गया। शिविर संयोजक वीर सुरेश जैन, वीर रामावतार गोयल, वीर तेजकुमार बडजात्या, वीर सुरेन्द्रसिंह दीपुपरा ,डाक्टर जितेश जैन ,डाक्टर शिमरन, दानदाता परिवार से वीर कैलाश चन्द पाडंया, गवर्निंग काउंसिल मेम्बर वीर सुभाष पहाडिया ने शिविर शुभारंभ किया। सचिव वीर अजीत पहाड़िया ने बताया कि शिविर किशनगढ़, डेगाना,पलाडा मकराना बोरावड के 68 लोगो ने परामर्श लिया एक्सरे व रक्त सम्बंधित जांचें निःशुल्क की गई। नगर परिषद के उप सभापति हेमराज चावला, माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष मोहनप्रकाश मालपानी, पूरणमल चौधरी ने शिविर का अवलोकन कर संस्था के सेवाकायो कि सहराहना कर साधुवाद किया। नरेश जैन के अनुसार शिविर में वीर प्रदिप काला, जिवण सिह, नन्दकिशोर बिडसर, महेश लढा .बोदु कुमावत नितेश चौधरी सुरजीत वैष्णव ने शिविर में सराहनीय सहयोग किया। **-वीर सुभाष पहाडिया**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

• दिगम्बर जैन युवा एवं महिला संगठनों की प्रदेश स्तरीय प्रतिनिधि संस्था •

राजस्थान जैन युवा महासभा

दीपावली स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह

- लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड
  श्री ज्ञान चन्द झांझरी (समाजसेवी)
- जैन युवा रत्न
  श्री तुषार सोगानी (आर्किटेक्ट)
- यूथ आई कॉन अवार्ड
  श्री अनिरुद्ध काला
  (सेलेबल टेक्नोलॉजी के को-फाऊन्डर एवं सीईओ)
- जैन सिटीजन फाउंडेशन जयपुर
  को मानव सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सम्मान

शनिवार, दिनांक 2 नवम्बर, 2024

स्थान : तोतूका सभागार, भट्टारक जी की नसियाँ, जयपुर

समय : 4.00 बजे से रात्रि 9.30 बजे तक

सामूहिक सहभोज : सायं 4.30 बजे से 5.30 बजे तक

तत्पश्चात् कार्यक्रम प्रारम्भ

दशलक्षण महापर्व के दौरान जैन मन्दिरों में महिला/युवा मण्डलों द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं

सुगन्ध दशमी पर्व की झाँकियों का सम्मान एवं पुरस्कार

बम्पर दीपावली लक्की ड्रॉ
मनोरंजक गेम्स,
गीत-संगीत

आमंत्रित गौरवमयी अतिथि

माननीय विधान सभा अध्यक्ष श्री वासुदेव जी देवनानी माननीय उप-मुख्यमंत्री दीया कुमारी जी

समारोह अध्यक्ष - एडवोकेट श्री सुधान्शु जी कासलीवाल (अध्यक्ष: दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी)

विशिष्ट अतिथि - समाजश्रेष्ठी श्री शिवकुमार जी जैन

सीए श्री सुनील जी जैन गोधा • श्री सुनील जी पहाड़िया • पार्षद श्री पारस जी जैन पाटनी,
श्री कृष्ण कुमार जी टांक (दी राजस्थान अरबन कॉपरेटिव बैंक के चैयरमेन)
श्री अजय जी काला (समाजसेवी) • श्रीमती अनिता जी ठोलिया (प्रमुख समाज सेविका)

सभी महानुभावों से निवेदन है कि उपरोक्त कार्यक्रम में अपने सम्भाग/जोन के मन्दिरों के पधाधिकारियों, नवयुवक मण्डल - महिला मण्डलों के सभी सदस्यों के साथ उपस्थित होकर गौरवान्वित करें।

: निवेदक :

प्रदीप जैन बड़जात्या	ज्ञानचन्द झांझरी	विनोद जैन कोटखावदा	संजय पाण्ड्या	सुभाष बज	कमल सरावगी	धीरज पाटनी
प्रदेश अध्यक्ष	संस्थापक अध्यक्ष	प्रदेश महामंत्री	जिला अध्यक्ष	जिला महामंत्री	मुख्य समन्वयक	मुख्य संयोजक
98290-51671	98290-13094	93142-78866	93145-05562	94143-21318	98290-50023	99291-10116

संयोजक : राज कुमार पाटनी, डॉ राजीव जैन, मुकेश कासलीवाल, तरुण जैन, चेतन जैन निमोडिया, जितेश लुहाडिया, आलोक छाबडा, अनिल जैन

एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्यगण, राजस्थान जैन युवा महासभा, जयपुर

काव्य धारा मंच द्वारा दिवाली विशेष राष्ट्रीय काव्य गोष्ठी का हुआ आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

काव्यधारा मंच राजस्थान कदम द्वारा दीपावली स्नेह मिलन समारोह व वार्षिक काव्य गोष्ठी का आयोजन खीरेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण धौड़ में किया गया। संस्थापक नवीन जैन नव बीगोद ने बताया कि कवि विक्रम 'विभोर' बिलेठा, अशोक विशिष्ट धौड़ और योगेश योगीराज जीरा के संयुक्त संयोजन में भव्य काव्य गोष्ठी आयोजित हुई । पूरे दिन चले कार्यक्रम में आशु कवि भैरू सुनार मनासा (मध्यप्रदेश), मोहन पुरी मांडलगढ़, ओम उज्ज्वल भीलवाड़ा, महेंद्र मतवाला जहाजपुर, महेंद्र ललकार बीगोद, शिवचरण शर्मा पारोली, सत्यप्रकाश भारद्वाज भरनीकलां, आशीषराज बादल बांकरा, टीकमचंद टिकुड़ा गुलाबपुरा, नवीन नव बीगोद,विक्रम विभोर बिलेठा, अशोक विशिष्ट धौड़,योगेश योगीराज जीरा, भरत गहलोत मनासा (मध्यप्रदेश) परिधि जांगिड़ बिलेठा ने काव्य पाठ किया।इस अवसर पर नवीन जैन नव ने कहा अपने हिस्से का उजाला औरों में जरा बाट दे, अपने हिस्से का निवाला भूखों में जरा बाट दे । बिक्रम विभोर ने कहा तिरंगे को दिल में बसा कर तो देखो,एक बार भारत भू पर आकर तो देखो । महेंद्र ललकार ने संस्कृति की शोभा, संस्कृति की पहचान बढाती है ये भाषा ।अशोक विशिष्ठ ने आसमानों की भरे उड़ाने पैर जमीं पर रहने दो। बच्चे मन की बात कहे तो खुलके उनको कहने दो। मोहन पुरी ने नगर जिन्होंने बसाये जो कभी दानी कहाये । आजकल सुनते हैं वे भी जेबक तरे हो गये हैं ओम उज्ज्वल भीलवाड़ा ने मायड़ भाषा में-आड़ोसन पाड़ोसन मारी, बेमतलब बातां हाक : तो थँ थांके मं माक ' आशीषराज बादल ने बेरोजगारी कोचिंग पर शानदार गीत सुनाए। सत्य प्रकाश भारद्वाज ने परणयाँ जोडूं दोनों हाथ, मनें पीहर जाबा दे तथा मत रोना मेरी तू माई सुनाकर मंच को ऊँचाइयाँ दी ' भेरू सुनार मनासा मध्यप्रदेश ने कहा उम्र भर उलझते रहे मंदिर मस्जिद के चक्कर में ,उसको सजदा क्यों नही कर लिया मां नही थी क्या तुम्हारे घर पर,शिव चरण शर्मा ने काव्य गोष्ठी का संचालन करते हुए इस दुनिया के रिश्ते देखे, बनते और बिगड़ते देखे तथा बातां जहाजपुर के कवि महेंद्र मतवाला ने हमने जब से सहना सीख लिया है, आराम से रहना सीख लिया है तथा पत्नी, बहुरुपिया, भ्रूण हत्या पर गीत मुझको आने दो पापा सुनाकर वाहवाही लूटी कवि टीकम चंद टीकूड़ा ने मन भावन लागे ओ सखी, मन के प्रीत गाओ ना सखी, अयोध्या के राजा राम आए है सखी, मंगल गीत गाओ ना सखी। बाल कवयित्री परिधि जांगिड़ ने गौ माता की दुर्दशा पर कविता सुनाकर आंखे नम कर दी। मंच संचालन शिव चरण शर्मा ने किया।

अधूरे मन से किया गया काम व्यक्ति को लक्ष्य तक नहीं पहुंचाता : युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी म .सा

श्रमण संघीय आचार्य देवेन्द्र मुनि जी का हुआ गुणानुवाद

चैन्नई. शाबाश इंडिया। अधूरे मन से किया गया कार्य न केवल उसकी गुणवत्ता को प्रभावित करता है, बल्कि व्यक्ति को अपने उद्देश्य से भी भटका सकता है मंगलवार को एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर के आनन्द दरबार में श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी म.सा. उप प्रवर्तिनी कंचनकंवर जी म.सा.के सान्निध्य में उत्तराध्ययन सूत्र का स्वाध्याय हुआ। मोक्ष- मार्ग- गति अध्याय की विवेचना करते हुए युवाचार्य श्री ने कहा कि हमने यज्ञ अध्ययन में वास्तविक, आध्यात्मिक और साधु की समाचारी के स्वरूप को समझा। जो- जो साधन है, उनके लिए सुंदर व्यवस्था इस अध्ययन में की गई। इसका हमें पालन करना है। यह साधक का कर्तव्य है और वह उसकी प्रसन्नता का विषय होना चाहिए। अधूरे मन से किया गया काम व्यक्ति को लक्ष्य तक नहीं पहुंचाता है। जो व्यक्ति अनुशासन में नहीं है, लक्ष्य के प्रति जागरूक नहीं है तो समूह में सब उसके दुःख से दुःखी हो जाते हैं। हमारा चरम लक्ष्य मोक्ष है। वास्तव में देखा जाए तो छोटे से लेकर लक्ष्य मोक्ष का ही है। हरेक व्यक्ति मुक्ति चाहता है। जिसको गति करनी है, उसको मोक्ष का मार्ग दिया है। उन्होंने कहा मोक्ष प्राप्ति के लिए चार साधन है ज्ञान, दर्शन, चारित्र और तप। ज्ञान हमें पदार्थ को समझने के बोध में सहायक होता है। दर्शन हमें स्वरूप का बोध कराने में सहायक है। चारित्र हमको नियंत्रित करने में सहायक है। तप हमें निर्मल बनाता है। उन्होंने कहा मक्खन से घी बनता है तो उसे तपना पड़ता है और तब वह शुद्ध बनता है। वैसे ही कर्म छोड़ने पर आत्मा शुद्ध होती है और सिद्ध बुद्ध बनती है। सम्यक्त्व की वृद्धि करने के लिए आठ अंग है शंका न करे, इच्छा न करे, जुगुप्सा न करे, जो गुणी जनों की अनुमोदना करे, धर्म के प्रति स्थिर रहे, वात्सल्य की प्रभावना करे इत्यादि। इस प्रकार से मोक्ष मार्ग की ओर पराक्रम करना। युवाचार्यश्री ने अगले अध्ययन में कहा कि धर्म श्रद्धा से हमारे तीव्र कषाय खत्म होते हैं। वंदना करने से नीच गौत्र का क्षय होता है। प्रतिदिन पूर्व या उत्तर दिशा में 9 या 27 वंदना करते हैं तो कई चीजें सहज उपलब्ध होती है। वे हमारे सौभाग्य को बढ़ाने वाली है। यदि हम संयम पराक्रम करते हैं तो सिद्ध बुद्ध बनने की ओर आगे बढ़ते हैं। श्रमण संघीय आचार्य देवेन्द्र मुनि की जन्म जयंती पर गुणानुवाद करते हुए उन्होंने कहा कि उदयपुर के बागरेचा परिवार में जन्मा एक सुकुमार बच्चा, जिसका जन्म धनतेरस के दिन हुआ और उसके लिए उसका नाम धन्नालाल रखा गया।

बेहतरीन उपलब्धि के लिए आर्किटेक्ट अतिशय जैन सम्मानित

जयपुर। के.एम. ट्रांस लॉजिस्टिक्स की राजस्थान में नई वाणिज्यिक कार्यालय इमारत को राज्य की पहली और एकमात्र 5-स्टार ग्रीन बिल्डिंग होने का मिला है।इसे SVA GRIHA श्रेणी की प्रतिष्ठित रेटिंग के तहत GRIHA द्वारा प्रमाणित किया गया है। इस प्रोजेक्ट में ए.जे. स्टूडियोज़ की टीम ने ऊर्जा दक्षता को अधिकतम करने के लिए निष्क्रिय और सक्रिय डिज़ाइन रणनीतियों के संयोजन का उपयोग किया है। जिसके तहत एक सुविचारित जल संतुलन चक्र ने निर्मित क्षेत्रों और खुले हरित क्षेत्रों के अनुपात को निर्धारित करते हुए भवन के भीतर कम-प्रवाह वाले फिटिंग्स और परिदृश्य के लिए 100% ड्रिप सिंचाई का उपयोग करके जल संरक्षण को और बढ़ावा दिया है। उन्नत तकनीक के उपकरणों और सामग्रियों का चयन करते हुए ध्वनिक DGU कांच शामिल है, जो शोर और गर्मी नियंत्रण में उत्कृष्टता से भवन की समग्र दक्षता और स्थिरता सुनिश्चित होती है।इमारत की एक विशेषता इसकी अत्याधुनिक रेडिएंट कूलिंग प्रणाली है, जो फर्श के भीतर ठंडे पानी के पाइप के विस्तृत नेटवर्क का उपयोग करके ठंडक प्रदान करती है। राजस्थान में इस तरह की यह पहली प्रणाली है और देश भर में कुछ ही स्थानों पर इसकी स्थापना की गई है, जो पारंपरिक शीतलन विधियों की तुलना में 35-40% ऊर्जा की बचत करती है।ऊर्जा दक्षता के अलावा, इमारत के डिज़ाइन में आर्किटेक्ट्स की बखूबी भूमिका ने परियोजना का नेतृत्व कर रहे आर्किटेक्ट अतिशय जैन ने किया है, जिन्होंने लंदन के प्रसिद्ध ए.ए. स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर से सस्टेनेबल और एनवायरनमेंटल डिज़ाइन में मास्टर की डिग्री प्राप्त की है और स्पेन व कुआलालंपुर में लगभग चार वर्षों का अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्राप्त किया है। अतिशय जैन और उनकी टीम को 25 अक्टूबर को जयपुर के मैरियट होटल में आयोजित 3rd GRIHA क्षेत्रीय सम्मेलन में प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सम्मानित किया गया। इनमें राजस्थान सरकार के ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव आलोक, जेडीए के सचिव निशांत जैन, आईएएस, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के नवोदय विद्यालय समिति, क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर के उप आयुक्त डॉ. अजय कुमार, GRIHA काउंसिल के उपाध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं टीईआरआई के सस्टेनेबल इंफ्रास्ट्रक्चर कार्यक्रम के वरिष्ठ निदेशक श्री संजय सेठ, और GRIHA काउंसिल के उप-सीईओ-सह-सचिव एवं टीईआरआई के सस्टेनेबल बिल्डिंग्स विभाग की निदेशक शबनम बास्सी शामिल थे।

सिल्वर रेजीडेंसी में हुआ दिवाली मिलन समारोह

उदयपुर. शाबाश इंडिया। पिंडवाड़ा हाईवे पर स्थित सिल्वर रेजीडेंसी अपार्टमेंट में रविवार को दिवाली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान अपार्टमेंट में रहने वाले भारतभर के लोगों ने एक–दूसरे के गले मिलकर दीपावली की शुभकामनाएं दीं। सिल्वर रेजीडेंसी सोसाइटी के अध्यक्ष छगन राव ने इस अवसर पर सबको शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीपावली के दीयों की तरह आप सबके जीवन में भी खुशियां यूंही जगमगाती रहें। समिति सचिव दलपत सिंह चुंडावत एवं मैनेजर जेपी जैन ने भी इस अवसर पर सबको बधाई दी। कार्यक्रम के बाद सोसाइटी के मुख्य द्वार के निकट स्थित गार्डन में रात्रि भोज भी रखा गया। इस दौरान विकास पाठक, शंकर सिंह, नरेंद्र सिंह, संजय आमेटा, मांगीलाल, ओमगिरी, प्रताप सिंह, भैरू लोहार, हस्तीमल, शांतिलाल जैन एवं प्रेमसिंह भी उपस्थित थे।

द्वारकाधीश मंदिर में 30 को धनतेरस, 31 अक्टूबर को दिवाली और 1 नवंबर को अन्नकूट-गोवर्धन पूजा

उदयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पुष्टिमार्गीय तृतीय पीठ प्रन्यास के तहत श्री द्वारकाधीश मंदिर (राजसमंद) में पांच दिवसीय दिवाली महोत्सव 31 अक्टूबर से धूमधाम से मनाया जाएगा। मंदिर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, तृतीय पीठाधीश्वर गोस्वामी डॉ. वागीश कुमार महाराज के निदेर्शानुसार 31 अक्टूबर को दिवाली के आयोजन का क्रम सुनिश्चित किया गया है। इसकी शुरूआत 28 अक्टूबर सोमवार से दीपोत्सव के साथ होगी, जहां ठाकुर जी के दरबार में दीपों की श्रृंखला सजाई जाएगी। वहीं, 29 अक्टूबर मंगलवार को प्रभु द्वारकाधीश को धनतेरस का विशेष श्रृंगार अर्पित किया जाएगा। इसके बाद 30 अक्टूबर बुधवार को धनतेरस की विधिवत पूजा संपन्न की जाएगी। इसी दिन रूप चतुर्दशी का श्रृंगार होगा और ठाकुर जी का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। प्रेस विज्ञप्ति में यह भी बताया गया कि 31 अक्टूबर को दीपावली का मुख्य आयोजन होगा। मंदिर में विशेष पूजा अर्चना के बाद दीपावली का श्रृंगार ठाकुर जी को अर्पित किया जाएगा, जिससे पूरे मंदिर परिसर में भक्ति और उल्लास का माहौल बनेगा। इसके बाद 1 नवंबर को अन्नकूट गोवर्धन पूजा का आयोजन होगा, जहां भक्तों को महाप्रसाद वितरित किया जाएगा।

महावीर इंटरनेशनल 'युवा' ब्यावर द्वारा सेवा कार्य

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। सेवा कार्यों की श्रंखला में महावीर इंटरनेशनल युवा, ब्यावर केंद्र के तत्वधान वीर जेपी शर्मा के मातुश्री के जन्म दिवस के उपलक्ष आज श्री तिजारती गौशाला, में हरे चारे से गौ सेवा एवं कबूतरों को दाना भी डाला गया। आज के कार्यक्रम के लाभार्थी वीर जे पी शर्मा परिवारगण थे। कार्यक्रम में वीर जे पी शर्मा, यशवंत कोठारी, हलवाई वीर योगेश बंसल, वीर विजयराज जैन, वीर लव नामा, वीर शैलेश शर्मा, वीर सुनील सिंघल, वीर राजेश मंत्री, वीर निखिल जिंदल, वीर निखिल माहेश्वरी, वीर सचिन जैन, वीर राजेश मुरारका, वीर राजेश रांका, वीर अनुपम रूनीवाल, वीर अमित बंसल, वीर योगेश बंसल सर्राफ, वीर विष्णु सिंघल, गौसेवक सतीश जी गर्ग, रोशन जी बादशाह, मुकेश जी गर्ग, दिलीप गोयल, दिलीप शर्मा, जीतू सोनी आदि वीर सदस्यों एवं वीरा एकता बंसल, वीरा सुनीता सिंघल, वीरा लकी शर्मा, वीरा दीपिका अग्रवाल, लता शर्मा, उर्मिला भाटी, आनंदी सोनी, मंजू शर्मा ने गौ सेवा का आनंद लिया। महावीर इंटरनेशनल युवा के संरक्षक वीर यशवंत कोठारी का जन्म दिवस भी मनाया गया। वीर यशवंत कोठारी एवं श्रीमती मंजू शर्मा का दुपट्टा पहना कर स्वागत किया गया। बड़े ही पुण्य के योग से एवं भाग्यशाली व्यक्तियों को गो सेवा करने का अवसर प्राप्त होता है। वीर जे पी शर्मा के मातुश्री श्रीमती मंजू शर्मा के जन्मदिवस की उपलक्ष में शर्मा परिवार द्वारा गौ सेवा एवं कबूतरों को दाना कार्यक्रम के लिए बहुत-बहुत साधुवाद एवं हृदय से हार्दिक आभार।

मिस्टर एंड मिस कॉर्पोरेट के लिए ऑडिशन 3 नवंबर को

बंधन प्रीमियर लीग बॉक्स क्रिकेट में विजेता टीम को 11 हजार का नकद ईनाम

उदयपुर. शाबाश इंडिया। न्यू भुपालपुरा स्थित ग्लोरियस डांस एकेडमी में बंधन टीवी भारत द्वारा मिस्टर एंड मिस कॉर्पोरेट का पोस्टर सोमवार को लॉन्च किया गया। प्रेस वार्ता में आयोजन की जानकारी देते हुए नितिन दशोरा ने बताया कि यह एक अनूठा मॉडलिंग इवेंट होगा। आयोजक गरिमा माथुर ने बताया कि प्रतियोगिता चार चरणों में होगी। पहला चरण ऑडिशन राउंड होगा। इसमें प्रतिभागियों का चयन मानसिक और शारीरिक क्षमताओं के आधार पर किया जाएगा और टीमों का गठन होगा। दूसरा टैलेंट राउंड और तीसरे चरण में शारीरिक और मानसिक परीक्षण के लिए टास्क राउंड होगा। वहीं, अंतिम चरण मॉडलिंग राउंड का होगा जो क्लासिकल और वेस्टर्न थीम पर आधारित होगा। कार्यक्रम में जज और लीडर्स के रूप में श्रेया पालीवाल, दीपेश पालीवाल, आरजे अंकित सहित कई प्रतिष्ठित लोग मौजूद रहेंगे। निःशुल्क ऑडिशन 3 नवंबर को रानी रोड स्थित वगारो गार्डन कैफे पर होंगे। कार्यक्रम के होस्ट नितिन दशोरा रहेंगे। मिस्टर एंड मिस कॉर्पोरेट 2023 के विजेता हर्षित शर्मा और कुसुम भी इस अवसर पर मौजूद रहे। इस दौरान, बंधन प्रीमियर लीग : बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट का भी पोस्टर लॉन्च किया गया, जो राजस्थान स्तर पर दिसंबर में आयोजित होगा। इस टूर्नामेंट में 32 टीमें भाग लेंगी। इसमें विजेता को 11,000 रुपये और उप-विजेता को 5,100 रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। **रिपोर्ट फोटो राकेश शर्मा 'राजदीप'**

अर्हं योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज पहुंचे मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन में

बुधवार को मीरामार्ग के आदिनाथ भवन पर होगा कलश वितरण समारोह

वही दीपावली शुभ होती है जिसमें प्रदूषण एवं जीव हिंसा न हो : मुनि प्रणम्य सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हं ध्यान योग प्रणेता मुनि 108 प्रणम्य सागर महाराज ससंघ का मंगलवार 29 अक्टूबर को महावीर नगर जैन मंदिर से मंगल विहार कर प्रातः 7 बजे गोपालपुरा बाईपास स्थित 10 बी स्कीम जैन मंदिर में जुलूस के साथ भव्य मंगल प्रवेश हुआ। इस मौके पर प्रबंधकारिणी समिति की ओर से पाद पक्षालन एवं मंगल आरती कर अगवानी की गई। 10 बी स्कीम में प्रातः 8.15 बजे मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन हुए ।जिसमें पारस पुराण का वाचन किया। मुनि श्री ने शील भावना एवं अभीक्षण ज्ञानोपयोगी भावना को बताते हुए कहा कि अपने स्वभाव में रहना, विषयों से दूर होना ही शील भावना है। दीपावली आ रही है, हमें इस शुभ कार्य के साथ, प्रदूषण रहित, जीव हिंसा से दूर ,प्रभु की आराधना करते हुए मनानी चाहिए, वही शुभ दीपावली होगी। हम न पटाखे खरीदें और ना किसी के पटाखों की अनुमोदना करें। जहां शुभ भाव होते हैं, वह वातावरण भी शुभ हो जाता है। इससे पूर्व धर्म सभा में चित्र अनावरण का सौभाग्य महेंद्र, विशाल जैन , दीप प्रज्वलन का सौभाग्य अजीत बंसल, पाद प्रक्षालन का सौभाग्य इंद्र, अशोक बाकलीवाल , प्रमोद, अनिल दीवान, शास्त्र भेट का सौभाग्य महिला मंडल ,ताराचंद टोंगिया, राकेश एवं श्रीमती संतोष जैन ने प्राप्त किया। इस मौके पर पूर्व विधायक डॉ अशोक लाहोटी एवं पार्षद सीमा और कॉलोनी के अध्यक्ष एडवोकेट राजेंद्र, सचिव गोपाल अग्रवाल एवं अन्य गण्यमान्य अतिथियों ने मुनिश्री को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर आदिनाथ दिगम्बर जैन समिति मीरा मार्ग के उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी, कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र जैन, जम्बू सोगानी, अरुण श्रीमाल, अशोक छाबड़ा, अरुण पाटोदी, विजय झांझरी, सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए। चातुर्मास मीडिया प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक मंगलवार को सायंकाल मुनि संघ 10 बी स्कीम जैन मंदिर से मंगल विहार कर मीरामार्ग के आदिनाथ भवन पहुंचा जहां मंदिर समिति द्वारा भव्य अगवानी की गई। तत्पश्चात गुरु भक्ति, आरती के बाद मुनि संघ का रात्रि विश्राम हुआ। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन समिति मीरा मार्ग के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी के मुताबिक मुनि संघ का बुधवार 30 अक्टूबर को प्रातः 8.15 बजे मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें जिसमें पारस पुराण का वाचन होगा।इस मौके पर चातुर्मास में स्थापित कलशों का वितरण भी किया जाएगा।

-विनोद जैन कोटखावदा

हल्दियो का रास्ता में धनतेरस पर दीपावली सजावट एवं डेकोरेशन का स्विच ऑन हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

हल्दियो के रास्ते में धनतेरस पर दीपावली सजावट एवं डेकोरेशन का स्विच ऑन जयपुर हेरिटेज नगर निगम की महापौर श्रीमती कुसुम यादव एवं श्री अजय यादव ने किया इस अवसर पर जीया बैण्ड द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया महापौर महोदया ने सभी व्यापारीयो को धनतेरस व दीपावली की बहुत बहुत बधाई दी व व्यापारियों से सजावट के साथ सफाई की अपील की,व्यापार मण्डल के अध्यक्ष सुरेन्द्र बज ने अतिथियों का स्वागत करते हुए सफाई व्यवस्था में भरपूर सहयोग का आश्वासन दिया व हेरीटेज नगर निगम पूरे भारत में महापौर जी के नेतृत्व में सफाई व्यवस्था में प्रथम रहेगा। व्यापार मण्डल के अध्यक्ष सुरेन्द्र बज महामंत्री राम प्रसाद कारोडीया व्यापार मंडल के सलाहकार डॉक्टर ज्ञानेश जी हल्दिया सजावट संयोजक अनिल घीवाला रिषभ नागोरी उपाध्यक्ष जय किशन ग्वालानी पुरूषोत्तम अग्रवाल मामराज अमरसरिया कोषाध्यक्ष राजेन्द्र जैन नंद किशोर शर्मा राज कुमार माखीजा निलेश अग्रवाल राकेश अग्रवाल सिद्धिविनायक व्यापार मण्डल के अध्यक्ष कैलाश अग्रवाल प्रकाश लालवानी व बड़ी संख्या मे व्यापारी उपस्थित रहे ।

तीये की बैठक

हमारी पूजनीय माताजी

श्रीमती चंदा देवी पाटनी

धर्मपत्नी स्व प्रकाश चंद जी पाटनी का निधन 29.10.2024 को हो गया है तीये की बैठक गुरुवार 31.10.2024 को सुबह 9 बजे भट्टराक जी नशिया(जैन भवन पर होगी।

शोकाकुल :

मनीष अरुणा(पुत्र पुत्रवधु) आरव(पौत्र) हिमाक्षी (मीठी) (पोत्री) सुनील -मीना जैन चौधरी,पंकज- बबिता (बेटी जवाई) वैभव, शुभव, युगांश (दोहिते) मनस्वी (दोहिती)

पीहर पक्ष : ताराचंद,रमेश चंद,अशोक गोधा (झाग वाले)

एक्यूप्रेशर सेवा समिति एवं आरोग्य भारती जयपुर में धन्वंतरि जयंती समारोह मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। एक्यूप्रेशर सेवा समिति एवं आरोग्य भारती जयपुर के तत्वावधान में केसरगढ़ स्थित प्रधान कार्यालय में दिनांक 29 अक्टूबर 2024 को प्रातः 10:00 बजे भगवान धन्वंतरि की पूजा एवं आरोग्य दिवस 'धन्वंतरि जयंती' समारोह पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सेवा भारती समिति राजस्थान क्षेत्र के संयोजक मूलचंद सोनी , जयपुर प्रांत संयोजक द्वारका प्रसाद , युगल किशोर, माणकचंद, आयुर्वेद विभाग के पूर्व अतिरिक्त निदेशक डॉ सुशील दत्त शर्मा, पूर्व अतिरिक्त निदेशक डॉ जितेंद्र कोठारी, डॉ एन के ओझा डॉ गोविंद पारीक मुख्य वक्ता के रूप में रहे। डॉक्टर पीयूष त्रिवेदी एवं डॉक्टर शिल्पा त्रिवेदी ने सेवा समिति के सेवा कार्यों के बारे में बताया ,कार्यक्रम में डॉ. तारकेश्वर शर्मा ,डॉ. केपी सिंह, डॉ. रघुनाथ शर्मा डॉ. रवि पीपलीवाल सहित अनेक मूर्धन्य आयुर्वेद विद्वान भी उपस्थित थे। स्वस्थ जीवन शैली एवं स्वास्थ्यवर्धक आहार विहार पर कार्यक्रम में विशेष चर्चा की गई ,कार्यक्रम में 100 से अधिक संख्या में लोगों ने भाग लिया।

ग्रामीण बच्चों के मध्य क्लब द्वारा भेजी गई सेवा का वितरण

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल, पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष मधु पाटनी,श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति अजमेर की सदस्याओं के साथ क्लब के पूर्व सदस्य घनश्याम सोनी एवं रेखा सोनी आदि के सहयोग से उदयपुर जिले के बुजरा गांव की राजकीय प्राथमिक विद्यालय थलपला के 51 जरूरतमंद परिवार के विद्यार्थियों को गणवेश में पेंट शर्ट ,सलवार, सूट का वितरण सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल लाल सोलंकी के कर कमलों द्वारा किया गया। क्लब अध्यक्ष लायन रूपेश राठी ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक लायन अतुल पाटनी के मार्गदर्शन में एवं घनश्याम सोनी के माध्यम से जरूरतमंद परिवार के बच्चो का चयन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रिंसिपल चित्रा दालिया, दयालाल ने बच्चो को क्रमबद्ध तरीके से क्लब के द्वारा भेजी गई सेवा के वितरण कार्य में सहयोग किया। इससे पूर्व क्लब की सेवा लेकर विद्यालय पहुंचने पर प्रिंसिपल मैडम ने मेवाड़ी परंपरा के अनुसार तिलक लगाकर और उपरना पहनाकर स्वागत किया। विद्यार्थियों के मध्य सामान्य ज्ञान की प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में बच्चो ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागी विजेता बच्चो को टाफी का वितरण कर पुरस्कृत किया गया। लायन अतुल पाटनी ने बताया कि प्रांतीय कार्यक्रम आओ गांव चले सेवा करे एवम आवश्यकता अनुरूप सेवा के अंतर्गत बहुत ही जरूरतमंद परिवार के बच्चो के मध्य सेवा दी जा रही है।

अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

कुलचाराम हैदराबाद. शाबाश इंडिया। धन कम है, इस बात का दुःख है.. या पड़ोसी के पास ज्यादा है, इस बात का दुःख ज्यादा है-? आज हमारे जीवन के समीकरण अर्थ, अहंकार और आकांक्षा में समा गये। यही सबसे बड़े दुःख के कारण है। धन तेरस से दीपोत्सव शुरू हो जाता है। यह पर्व सबके लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस पर्व में साफ सफाई और अर्थ की कमाई हमारी प्रसन्नता और सुख में कारण बन जाती है। माना कि अर्थ के बिना संसारिक जीवन व्यर्थ है और धर्माचरण के बिना धर्म का जीवन भी व्यर्थ है। अर्थ के द्वारा धर्म और मोक्ष का मार्ग सरल-सहज होता है। अर्थ को सिर्फ काम वासनात्मक तरीके से उपयोग करना ठीक नहीं है, क्योंकि यह साधना में भी सहयोगी है। उद्देश्य और लक्ष्य दोनों के अलग अलग है। अर्थोपार्जन का उद्देश्य - सेवा, दान, परोपकार, प्रभावना और सहृदयता के साथ सहायता करना। निर्धन और धनवान के लिये यह पर्व बराबर मायने रखता है। सभी के लिये खुशी, आनंद, प्रेम- प्रसन्नता और उत्साह बराबर है। धन पर एकाधिकार जमाकर जीना, जीवन भर हाय हाय करके जोड़ना और एक पल में सब यूं ही छोड़कर मर जाना - ये अच्छा है या अपने हाथों से सेवा, दान, परोपकार, प्रभावना - अस्पताल, स्कूल में लगाकर जाना चाहिए-?

देकर जाओगे जीवन भर याद किये जाओगे,
छोड़ कर जाओगे तो अपनों की गालीयां सुनोगे।
क्या करके मरना है? देकर या छोड़कर?

-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

महावीर नगर में हुआ पार्श्व जिनालय के लिए मंदिर भूमि पूजन व शिलान्यास

जिनेंद्र भगवान का जितना बहुमान करेंगे उतनी ही समृद्धि प्राप्त होगी : मुनि प्रणम्य सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हं ध्यान योग प्रणेता मुनि 108 प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में महावीर नगर के श्री दिगंबर जैन मंदिर में पार्श्व जिनालय के निर्माण के लिए जयकारों के बीच मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन एवं आधारशिला रखने का कार्यक्रम प्रतिष्ठाचार्य शुभम भैया के निर्देशन में संपन्न हुआ। मुख्य शिला साधना महावीर कुमार - सुशीला गोदीका परिवार ने रखी। पंच परमेष्ठी शिलाऐं एवं बनने वाले मन्दिर की मुख्य वेदी के पुण्यार्जक हरीश- रेणू धाडुका रहे। दूसरी वेदी के पुण्यार्जक कांता, राजकुमार, शैलेन्द्र सेठी, गेती के पुण्यार्जक मदन, मनीष पांड्या, संबल के पुण्यार्जक पदम चंद, नीरज गंगवाल , फावडा के पुण्यार्जक पूनम चंद, धर्मचंद, दिनेश, रिषभ छाबड़ा चंदलाई वाले, तसला के पुण्यार्जक जंबू, दर्शन, नवीन, धर्मेश बाकलीवाल बस्सीवाले, करणी के पुण्यार्जक राजेन्द्र- नीता रौनक बज, स्वर्ण ईट कमलेश - नीतू जैन डीमापुर वालों ने रखी। इस मौके पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ने अपने प्रवचन में पारस पुराण का वाचन किया। मुनि श्री ने विनय संपन्नता भावना पर अपनी देशना देते हुऐ कहा कि जो दर्शन ज्ञान चरित्र में प्रवीण है, उनकी विनय करना चाहिए । विनय अंतरंग में धारण करने से हमें हर तरह की संपन्नता आती है। हम जिनेंद्र भगवान का जितना बहुमान करेंगे उतनी ही समृद्धि प्राप्त होगी । मुनिश्री ने कहा कि आचार्य श्री बोलते थे कि पाषाण से बने जिनालय से जिन शासन की समृद्धि होती है। हमें सदा ऐसा कार्य करना चाहिए जो आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक हो। इससे पूर्व पदम चन्द - बसंती देवी, नीरज, शुभम,तन्वी,पूर्वा गंगवाल परिवार ने धर्म सभा में चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन, पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेट का सौभाग्य प्राप्त किया। इस मौके पर आदिनाथ दिगम्बर जैन समिति मीरा मार्ग के उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी, कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र जैन, जम्बू सोगानी, अरुण श्रीमाल, अशोक छाबड़ा, अरुण पाटोदी, विजय झांझरी, सहित महावीर नगर जैन समाज के अध्यक्ष अनिल जैन, उपाध्यक्ष दर्शन बाकलीवाल, मंत्री सुनील बज, सह मंत्री पवन जैन, कोषाध्यक्ष गिरीश बाकलीवाल, एडवोकेट प्रवीण जैन, समाजश्रेष्ठी सुरेंद्र पांड्या, जस्टिस एन के जैन, अशोक गंगवाल, राजेश गंगवाल, सुधीर कासलीवाल नमन वास्तु, पदम पाटनी सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए। अपना घर आश्रम, जामडोली में निवासरत 127 प्रभुजी में से 30 महिला प्रभुजी को महावीर नगर जैन भवन में प्रणम्य सागर महाराज से निराश्रित, असहाय, बीमार एवं लावारिस प्रभुजी को उनके कर्मों की निर्जरा के लिए आशीर्वाद दिलवाने हेतु लाया गया। अपना घर आश्रम कोषाध्यक्ष एडवोकेट संदीप सौगानी, उपाध्यक्ष कविता मीणा ने आश्रम के बारे में महाराजश्री को विस्तृत जानकारी दी। चातुर्मास मीडिया प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक सोमवार को सायंकाल मुनि संघ महावीर साधना केन्द्र पहुंचा जहां गुरु भक्ति, आरती के बाद मुनि संघ का रात्रि विश्राम हुआ । श्री जैन के मुताबिक मुनि संघ का मंगलवार 29 अक्टूबर को प्रातः 6.15 बजे गोपालपुरा बाईपास स्थित 10 बी स्कीम जैन मंदिर के लिए मंगल विहार होगा। 10 बी स्कीम दिगम्बर जैन मंदिर में प्रातः 7.00 बजे जुलूस के रूप में मुनि संघ का भव्य मंगल प्रवेश होगा। प्रातः 8.15 बजे मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होंगे जिसमें पारस पुराण का वाचन होगा।

-विनोद जैन कोटखावदा

पांच दिवसीय दीपोत्सव पर्व हर्षोल्लास से मनाएं : अनीता भदेल

सामाजिक सरोकार के अंतर्गत दी गई सेवा से 1200 से अधिक व्यक्ति लाभान्वित

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर एवं श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवम युवामहिला संभाग अजमेर द्वारा अलवर गेट अजमेर का स्लम एरिया गुजर धरती में स्थापित सुखाड़िया उद्यान में जरूरतमंद पुरुष,महिला एवं बच्चो के मध्य अजमेर दक्षिण की विधायिका श्रीमती अनिता भदेल के मुख्य आथित्य में दीपोत्सव कार्यक्रम मनाया गया। राजस्थान सरकार की पूर्व मंत्री एवं अजमेर दक्षिण क्षेत्र की लोकप्रिय विधायिका श्रीमती अनिता भदेल ने उपस्थित जन समुदाय के मध्य दीप प्रज्जलवित करते हुए दिए शुभ संदेश में कहा कि पांच दिवसीय दीपोत्सव का महापर्व हम सभी को मिलझूल कर मनाना है। युवा महिला संभाग अध्यक्ष सोनिका भैंसा ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक समिति कि राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी के नेतृत्व में समाजसेवी एवं समिति संरक्षक राकेश पालीवाल, मुंबई निवासी राज श्री विक्रांत जिंदल शिवम जिंदल,समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी,श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर संभाग के अध्यक्ष अतुल पाटनी, महेंद्र काला वैशाली नगर इकाई की अध्यक्ष शांता काला के सहयोग से लगभग 1200 बच्चो एवं पुरुषवर्ग को गणवेश, टाउजर,टी शर्ट, लड्डू एवं अन्य खाद्यसामग्री में नमकीन, बिस्किट्स टॉफियां सलवार सूट, टॉपर के साथ मिष्ठान के पैकेट्स वितरण करते हुए दीपावली पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गई। श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर के अध्यक्ष अतुल पाटनी ने बताया कि समिति द्वारा सामाजिक सरोकार के अंतर्गत हर वर्ष ऐसे ही स्लम एरिया में रहने वाले व्यक्तियों के मध्य जाकर सेवा दे रहे हैं। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष शिखा बिलाला, परिशी जैन, कोषाध्यक्ष श्रीमती सुषमा पाटनी, युवा प्रकोष्ठ मंत्री रेनू पाटनी, समिति कोषाध्यक्ष श्रेयांश पाटनी एवं लायंस क्लब अजमेर आस्था के अध्यक्ष रूपेश राठी, स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता अशोक बुंदेल एवं उनकी टीम ने वितरण के कार्य में सहयोग प्रदान किया।

राजस्थान जैन युवा महासभा का दीपावली स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह शनिवार 2 नवम्बर को

समारोह के पोस्टर का किया विमोचन, भट्टारक जी की नसियां के तोतूका सभागार में होगा आयोजन, झांकियों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को करेंगे पुरस्कृत

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन युवा एवं महिला संगठनों की प्रदेश स्तरीय पंजीकृत प्रतिनिधि संस्था राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर का दीपावली स्नेह मिलन समारोह एवं सुगन्ध दशमी के मौके पर दिगम्बर जैन मंदिरों में सजाई गई झांकियों व दशलक्षण महापर्व के दौरान आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सम्मान समारोह शनिवार, 2 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा।इस मौके पर गणमान्य श्रेष्ठीजनों सहित युवा एवं महिला संगठनों के सदस्य बडी संख्या में शामिल होंगे। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि भट्टारक जी की नसियां के तोतूका सभागार में शनिवार, 2 नवम्बर को सायंकाल 7.00 बजे से आयोजित होने वाले इस दीपावली स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह के बहुरंगीय पोस्टर का विमोचन मंगलवार को दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के अध्यक्ष एडवोकेट सुधान्शु कासलीवाल ने किया। इस मौके पर समाजसेविका ऋतु कासलीवाल, युवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, जयपुर जिला महामंत्री सुभाष बज उपस्थित थे। जैन के मुताबिक समारोह में गौरवमयी अतिथि के रूप में विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी एवं उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी को आमंत्रित किया गया है। समारोह की अध्यक्षता दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के अध्यक्ष एडवोकेट सुधान्शु कासलीवाल करेंगे। समाजश्रेष्ठी शिव कुमार जैन, सीए सुनील जैन गोधा, सुनील पहाड़िया, पार्षद पारस जैन पाटनी, दी राजस्थान अरबन कॉपरेटिव बैंक के चैयरमेन कृष्ण कुमार टांक, समाजसेवी अजय काला एवं समाजसेविका अनिता ठोलिया विशिष्ट अतिथि होंगे। जिला अध्यक्ष संजय पाण्डया एवं जिला महामंत्री सुभाष बज ने बताया कि समारोह में सुगंध दशमी पर्व 2024 के मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में सजाई गई झांकियों, दशलक्षण महापर्व के दौरान मंदिरों में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों को सम्मानित किया जाएगा। इस मौके पर जैन सिटीजन फाउंडेशन जयपुर को मानव सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यो के लिए सम्मानित किया जाएगा।प्रसिद्ध समाज सेवी ज्ञान चन्द झांझरी को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड, आचीर्टेक्ट तुषार सोगानी को जैन युवा रत्न एवं सेलेबल टेक्नोलॉजी के कॉ-फाऊन्डर एवं सीईओ अनिरुद्ध काला को जैन यूथ आईकन अवार्ड से नवाजा जाएगा। सम्मान समारोह के लिए कमल सरावगी को मुख्य समन्वयक एवं धीरज पाटनी को मुख्य संयोजक, राज कुमार पाटनी, डॉ राजीव जैन, मुकेश कासलीवाल, तरुण जैन, चेतन जैन निमोडिया, जितेश लुहाडिया, आलोक छाबडा, अनिल जैन को संयोजक बनाया गया है।